केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 36 सोमवार 25 अगस्त 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

विवाद में छात्र ने निकाल लिया पिस्तौल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को उस समय सनसनी फैल गई जब आपसी विवाद के दौरान एक छात्र ने हाथ में पिस्टल लेकर दूसरे पक्ष को धमकाना शुरू कर दिया। मौके पर मौजूद लोगों में दहशत का माहौल बन गया। इसी बीच एक अन्य छात्र ने हिम्मत दिखाते हुए उसके हाथ से पिस्टल छीन ली। पिस्टल छीनने वाला छात्र श्रीराम पब्लिक स्कूल की ड्रेस पहने हुए था। दोनों पक्षों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। विवाद इतना बढ़ा कि एक छात्र गुस्से में आकर असलहा लेकर सामने वाले पक्ष को डराने–धमकाने लगा। तभी वहां मौजूद एक छात्र ने आगे बढ़कर उसके हाथ से पिस्टल खींच ली और उसे समझाने का प्रयास किया।

मामले की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई और जांच शुरू कर दी। पिस्टल कहां से आई और किसकी है, इसकी भी जांच की जा रही है। पिस्टल लेकर धमकाने वाले छात्र और उसे छीनने वाले छात्र दोनों की पहचान की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पिस्टल अवैध पाई जाती है तो संबंधित पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रेल पटरी का आधुनिकीकरण, अब 130 की रफ्तार से दौड़ेंगी ट्रेनें

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पूर्वोत्तर रेलवे ने बस्ती जिले में रेल यात्रियों को तेज रफ्तार का तोहफा दिया है। रेलवे प्रशासन ने पुरानी रेल पटरियों को बदलकर नई आधुनिक पटरियां बिछा दी हैं। पूर्वोत्तर रेलवे के पीआरओ महेश गुप्ता के अनुसार, 52 केजी प्रति मीटर वाले पुराने रेल ट्रैक की जगह 60 केजी प्रति मीटर क्षमता वाले नए ट्रैक लगाए गए हैं। यह कार्य 56 किलोमीटर अप और 56 किलोमीटर डाउन लाइन पर पूरा किया गया है। नई पटरियों के कारण अब ट्रेनें 110 की बजाय 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकेंगी। इससे यात्रियों का समय बचेगा। साथ ही यात्रा अधिक सुरक्षित होगी।

रेलवे सूत्रों के मुताबिक, नई पटरियों से दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी। मालगाड़ियों का संचालन भी आसान होगा। इससे व्यापारियों और उद्योग जगत को लाभ मिलेगा।

यह कदम भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण अभियान का हिस्सा है। रेलवे अपने पूरे नेटवर्क को हाई–स्पीड और आधुनिक बनाने की दिशा में काम कर रहा है। जल्द ही यात्री बस्ती से गुजरने वाली ट्रेनों की बढ़ी हुई रफ्तार का अनुभव कर सकेंगे।

चलती कार में लगी आग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । छावनी थाना क्षेत्र के विक्रमजोत के पास एनएच–28 पर शनिवार की रात एक बड़ा हादसा हुआ। पराग रेस्टोरेंट के समीप रात करीब तीन बजे एक चलती कार में अचानक आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही विक्रमजोत चौकी की पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड ने कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पा लिया। इस हादसे में दो लोगों के मामूली रूप से झुलसने की खबर है। हालांकि, घायलों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

पंचायत चुनाव के लिए भाजपा ने बनायी रणनीति

लखनऊ (आभा)। यूपी पंचायत चुनाव में भले ही अभी आठ से नौ महीने की देरी है लेकिन सभी दलों ने इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल माने जा रहे पंचायत चुनाव के लिए बीजेपी ने भी रणनीति तय कर ली है। बूथ स्तर पर माइक्रो मैनेजमेंट के साथ नया नारा भी गढ़ दिया गया है।

उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी विधानसभा चुनाव से पहले पंचायत चुनाव में पूरी ताकत से उतरेगी । बीजेपी सूत्रों की मानें तो पार्टी पंचायत चुनाव को विधानसभा का सेमीफाइनल मानकर बूथ स्तर पर माइक्रो मैनेजमेंट की कवायद में जुट गई है। 'पूर्व तैयारी, पूर्ण तैयारी' का नारा देते हुए भाजपा ने लगभग आठ से नौ महीने पहले ही पंचायत चुनावों के लिए हर बूथ तक पहुंचकर माइक्रो मैनेजमेंट शुरू कर दिया है। भाजपा ने बूथ स्तर पर हर गांव में अपने कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने के साथ ही मतदाताओं का पंजीकरण करने के लिए घर–घर जाना शुरू कर दिया है।

बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि भाजपा के शीर्ष नेताओं के लिए, 2026 के पंचायत चुनाव 2027 के महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों से पहले का सेमीफाइनल की तरह हैं। हर जिले में पार्टी कार्यकर्ताओं तक पहुंचते हुए भाजपा के प्रदेश महासचिव (संगठन) धरमपाल सिंह ने यह सुनिश्चित करने का जिम्मा उठाया है कि पार्टी सभी 75 जिला पंचायतों में अपनी चमक बिखेरे। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अवनीश त्यागी ने कहा, ष्पार्टी ने बूथ समितियों, मंडल इकाइयों और शक्ति केंद्रों को सक्रिय करके ग्रामीण मतदाताओं तक पहुंचने की रणनीति बनाई है। प्रत्येक जिले में बैठकें आयोजित करके कार्यकर्ताओं को पंचायत चुनावों का महत्व समझाया जा रहा है।

सबसे ज्यादा विवाद और दुश्मनी ग्राम प्रधान और क्षेत्र पंचायत के चुनावों को लेकर होती है। ज्यादातर पार्टी कार्यकर्ता प्रधान या क्षेत्र पंचायत सदस्य बनना चाहते हैं। ऐसे में विवाद से बचने के लिए पार्टी ने ग्राम प्रधान और क्षेत्र पंचायत के चुनावों में हस्तक्षेप न करने का फैसला किया है। हाल ही में गठित बूथ समितियों, मंडल इकाइयों और शक्ति केंद्रों की पहली परीक्षा पंचायत चुनाव होंगे। पार्टी नेतृत्व ने संदेश दिया है कि बेहतर प्रदर्शन करने वाले कार्यकर्ताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

डीएम,एसपी ने किया विधि प्रयोगशाला का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन ने विकास खण्ड सदर–बस्ती के चिलवनिया में निर्माणाधीन विधि प्रयोगशाला का आकस्मिक निरीक्षण किया। निर्माण कार्य कार्यदायी संस्था निर्माण खण्ड–2, लो०नि०वि०, अयोध्या द्वारा करवाया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि मुख्य भवन तीन ब्लॉक में है। ए ब्लॉक में चतुर्थ तल, बी ब्लॉक में चतुर्थ तल तथा सी ब्लॉक में द्वितीय तल की स्लैब व मुख्य भवन में द्वितीय तल ब्रिक वर्क कार्य पूर्ण है एवं गैराज , वर्कशाप में सुपर स्ट्रेक्चर का ब्रिक वर्क कार्य पूर्ण है तथा गेस्ट हाउस, बाउन्ड्रीवाल व प्लास्टर का कार्य प्रगति पर है। भवन के निर्माण में लेंग्टा एवं गैलेन्ट कम्पनी की सरिया लगायी जा रही थी। निर्माण में कुछ ईंट खराब पायी गयी, उसे तत्काल वापस करने के निर्देश दिया गया। भवन का 70 प्रतिशत निर्माण हो चुका है।

अवर अभियन्ता द्वारा दिसम्बर 2025 तक कार्य पूर्ण किये जाने का आवश्वासन दिया गया। उन्होंने बताया कि डेट एक्टेंशन हेतु पत्राचार किया गया है। जिलाधिकारी ने अवर अभियन्ता को निर्देश दिया कि शासन से कंजम मन्जमदेपवद करवाकर यथाशीघ्र निर्माण कार्य पूर्ण करवायें। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मिथुन कुमार डाक्टर बनने की राह पर ब्लाक प्रमुख अभिषेक ने बढाया हौसला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। साऊघाट विकास खण्ड के पचौरा गांव के किसान के बेटे मिथुन कुमार गौतम का डाक्टर बनने का सपना पूरा होने वाला है। दिलीप कुमार ने बेटे को डाक्टर बनाने के लिये जी तोड़ मेहनत किया। डाक्टरी की पढाई के लिये एसएमएमएच मेडिकल कालेज सहारनपुर मिला है। ब्लाक प्रमुख अभिषेक कुमार ने मिथुन का मुंह मीठा कर उत्साहवर्धन किया, कहा कि मिथुन से नयी पीढी के छात्रों को प्रेरणा लेनी चाहिये। डा. रामनरेश और समाजसेवी रणजीत यादव ने मिथुन का हौसला बढाया। मिथुन कुमार गौतम चिकित्सक बनकर पीड़ित लोगों की सेवा के साथ ही अपने माता–पिता, भाई के सपने को पूरा करना चाहते हैं। मिथुन ने कठिन परिस्थितियों में नीट की परीक्षा उत्तीर्ण कर उदाहरण प्रस्तुत किया है कि हौसला मजबूत हो तो कुछ भी असंभव नहीं। सोनू कुमार, इन्द्रसेन राव, चन्द्रपाल, गौरव आदि ने मिथुन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त किया है।

कोटेदार पर मनमानी का आरोप मुख्यमंत्री से कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बनकटी विकासखण्ड के ग्राम पंचायत धौरहरा गोचना के ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर गांव के कोटेदार राजमन पाण्डेय पुत्र अछैवर पाण्डेय के विरुद्ध घटतौली एवं गंभीर अनियमितताओं के मामले में प्रभावी कार्यवाही की मांग किया है। प्रधान प्रतिनिधि हरिशंकर पाण्डेय ने बताया कि पूर्व में कोटेदार की मनमानी को लेकर सम्बंधित अधिकारियों को पत्र दिया गया था किन्तु कोई कार्रवाई न होने से उसका मनोबल बढ गया है।

भेजे पत्र में ग्रामीणों ने कहा है कि कोटेदार राजमन पाण्डेय उपभोक्ताओं से अंगूठा लगवाने के बाद कई दिनों तक राशन वितरण में देरी करते है और निर्धारित मात्रा से कम खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाता है। विरोध करने पर वह दबंगई के साथ यह कहते हैं "मैं इसी तरह राशन दूँगा, मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता, जहाँ शिकायत करना हो कर लो।"

ग्रामवासियों ने मुख्यमंत्री से मांग किया है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर दोषी कोटेदार का लाइसेंस तत्काल निरस्त किया जाए तथा किसी अन्य पात्र व्यक्ति को कोटे की दुकान का दायित्व सौंपा जाए। साथ ही दोषी को आवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत कठोरतम दंडात्मक कार्रवाई की जाए, जिससे भविष्य में कोई भी कोटेदार गरीब उपभोक्ताओं का शोषण करने का साहस न कर सके।

भद्रेश्वरनाथ मंदिर में कारिडोर निर्माण के लिये डॉ. विवेक त्रिपाठी ने किया था पहली मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भद्रेश्वरनाथ मंदिर में कारिडोर निर्माण कराये जाने की पहल से प्रसन्नता की लहर है। सनातन धर्म चेतना चेरीटेबल ट्रस्ट के संरक्षक डा. विवेक त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा है कि उन्होने ट्रस्ट की भावना को समझा, वर्ष 2021 से भेजे जा रहे पत्रों को गंभीरता से लिया और अब भद्रेश्वरनाथ मंदिर में कारिडोर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से सनातन धर्म चेतना चेरीटेबल ट्रस्ट के संरक्षक डॉ. विवेक त्रिपाठी ने बताया कि वर्ष 2021 से ही भद्रेश्वरनाथ मंदिर में कारिडोर निर्माण कराये जाने की मांग शुरू किया। स्थानीय जन प्रतिनिधि तत्कालीन विधायक संजय प्रताप जायसवाल, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पवन कसौधन, भाजपा नेता गणेश नरायन मिश्र, साऊंघाट के ब्लाक प्रमुख अभिषेक कुमार, विश्व हिन्दू

महासंघ युवा मोर्चा अध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी के साथ ही अनेक जन प्रतिनिधियों, श्रद्धालुओं ने इस पहल को सराहा और अपने स्तर से मुख्यमंत्री को पत्र भी लिखे। 4 साल के भीतर मुख्यमंत्री ने भद्रेश्वरनाथ मंदिर में कारिडोर निर्माण कराये जाने की सहमति देकर एक बड़े संकल्प को पूरा किया है। ट्रस्ट द्वारा जब यह मांग शुरू किया गया था तो यह भरोसा नहीं था कि 4 साल के भीतर यह लक्ष्य हासिल हो जायेगा।

डा. विवेक त्रिपाठी ने कहा कि प्रयास के साथ ही इसमें बाबा भद्रेश्वरनाथ की इच्छा निहित है जिनके आशीर्वाद से अब कारीडोर आकार लेगा। इससे जनपद के आध्यात्मिक चेतना को नया आकाश मिलेगा। निर्माण पूरा होने के बाद कांवड़ मेला, महाशिवरात्रि जैसे पर्वो पर भक्तों को दरस, परस में असुविधा नहीं होगी। डा. त्रिपाठी ने कहा कि जिस प्रकार से उनके द्वारा भद्रेश्वरनाथ मंदिर में कारिडोर निर्माण कराये जाने की मांग किया गया था, जब तक यह लक्ष्य पूरा नहीं हो जाता ट्रस्ट के पदाधिकारी निरन्तर अपनी सक्रिय भूमिका निभायेंगे।

–भरोसा नहीं था कि मुख्यमंत्री 4 वर्ष के भीतर मांग स्वीकार लेंगे –डॉ. विवेक त्रिपाठी

चुनाव आयोग को बताया 'गोदी आयोग'

पटना (आभा)। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने बिहार के अररिया में बीजेपी और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। दोनों नेताओं ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए उसे 'गोदी आयोग' बताया और दावा किया कि फर्जी वोटर डेटा और 'वोट चोरी' में उसकी भूमिका है, जिसे वे 'वोटर अधिकार यात्रा' से उजागर कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव ने बिहार के अररिया में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय जनता पार्टी, केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर तीखे हमले किए। दोनों नेताओं ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए उसे 'गोदी आयोग' करार दिया।

तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग अब चुनाव आयोग नहीं रहा, बल्कि गोदी आयोग, भाजपा की एक इकाई बन गया है। उन्होंने कहा कि वे और राहुल गांधी लोकतंत्र और वोट के अधिकार को बचाने के लिए इस यात्रा (वोटर अधिकार यात्रा) पर निकले हैं। तेजस्वी ने दावा किया कि जमीनी स्तर पर उनकी यात्रा के बाद यह साफ हो गया है कि चुनाव आयोग की विश्वसनीयता खत्म हो चुकी है।राहुल गांधी ने भी चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि उन्होंने कर्नाटक में चुनाव आयोग के सामने फर्जी वोटरों का डेटा रखा था, जिसका जवाब आज तक नहीं मिला।

वाल्टरगंज चीनी मिल शुरू कराने की मांग को लेकर धरना जारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । वाल्टरगंज चीनी मिल को चालू कराने की मांग तेज हो गई है। कर्मचारी, गन्ना किसान, व्यापारी और विभिन्न सामाजिक संगठन धरने पर बैठे हैं। रविवार को धरने का छठा दिन था। मिल 2018 से बिना किसी विधिक सूचना के बंद पड़ी है। इससे हजारों परिवार प्रभावित हुए हैं। कर्मचारियों और किसानों का कहना है कि मिल प्रबंधन ने जिला प्रशासन के सामने बकाया भुगतान और मिल मरम्मत का आश्वासन दिया था। अप्रैल 2023 में भी यही वादा किया गया था। लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि मिल प्रबंधन संयंत्र को काटकर बेचने की योजना बना रहा है। उनकी मुख्य मांग मिल को चालू करवाना है। साथ ही अस्थायी कर्मचारियों का नियमित वेतन भुगतान करना है। मौसमी कर्मचारियों को 2017–18 से बकाया रिटेनर का भुगतान करना है। बस्ती चीनी मिल संयंत्र की बिक्री से मिले 7.15 करोड़ रुपए के वितरण की भी मांग है। खाली जमीन बेचकर बकाया राशि चुकाने की मांग भी की गई है।

आंदोलनकारियों ने कहा है कि मांगें पूरी होने तक धरना जारी रहेगा। उनका कहना है कि अगर प्रबंधन मिल नहीं चला सकता तो सरकार इसका अधिग्रहण करे। गोविंद नगर शुगर मिल क्षेत्र की जीवन रेखा है और इसके संचालन को लेकर कोई समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

भद्रेश्वरनाथ कारीडोर निर्माण का निर्णय सराहनीय– अखिलेश सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । विश्व हिन्दू महासंघ की बैठक रविवार को जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में रंजीत चौराहे के निकट एक हाल में सम्पन्न हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि राष्ट्रसंत अवेद्यनाथ की पुण्य तिथि 15 सितम्बर को मनायी जायेगी। कार्यक्रम में उनके योगदान पर विचार विमर्श के साथ ही अनेक प्रान्तीय पदाधिकारी, संत हिस्सा लेंगे। बैठक में हिन्दूओं के उत्पीड़न, गोकशी रोकने आदि के सवालों को लेकर चर्चा के साथ ही श्री भद्रेश्वरनाथ कारीडोर निर्माण का निर्णय लिये जाने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि इस कारीडोर के बन जाने से भद्रेश्वरनाथ मंदिर में जहां श्रद्धालुओं को सुविधा होगी वही क्षेत्र का भी तेजी से विकास होगा।

बैठक में मुख्य रूप से कुलदीप मिश्रा, विजय शंकर शुक्ला, सुधीर सिंह, सौरभ त्रिपाठी, पूनम सिंह, अमित तिवारी, शुभम मिश्रा, धनुष धारी चतुर्वेदी, विवेक श्रीवास्तव, अर्पण श्रीवास्तव, पप्पू जायसवाल, विपिन सिंह, राकेश सिंह, शैलेंद्र प्रताप सिंह, विनोद गुप्ता, सौरभ चतुर्वेदी, सानू पाठक, विष्णु प्रताप सिंह, महेंद्र प्रताप सिंह, डॉ परशुराम साहनी, राजेश गुप्ता, अभिषेक वर्मा, शिवम मिश्रा, अरविंद सिंह, आजाद सिंह, सुभाष चंद्र आजाद, जमुना प्रसाद, सतीश गुप्ता, मुन्ना सिंह, जगत मोहन सिंह 'बीकू, आशीष उर्फ कल्लू बाबा, राजा बाबा, कंचन विश्वकर्मा, प्रिया गुप्ता, सुनील मिश्रा, राजन गुप्ता, किशन गुप्ता, राजेश गुप्ता के साथ ही विश्व हिन्दू महासंघ के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

–राष्ट्रसंत अवेद्यनाथ की पुण्य तिथि पर विश्व हिन्दू महासंघ का आयोजन 15 को

राम स्वरूप वर्मा ने फूंका था सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक बदलाव का बिगुल - डा. वी.के. वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय कुर्मी महासभा द्वारा अर्जक संघ के संस्थापक रामस्वरूप वर्मा को उनकी जयंती पर याद किया गया। जिगिना स्थित आईटीआई कालेज में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये जिला अध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि रामस्वरूप वर्मा ने आईएएस की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बावजूद सरकारी नौकरी करना मुनासिब नहीं समझा और जन सेवा का कार्य पसंद किए। वे 1970 के दशक में चौधरी चरण सिंह के मुख्यमंत्रीकाल में वित्तमंत्री रहकर बिना किसी वस्तु के मूल्य में वृद्धि कर उत्तर प्रदेश विधानसभा में लाभ का बजट पेश किया,जो एक मिसाल था। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

प्रदेश संगठन सचिव आर. के. सिंह पटेल, मस्तराम वर्मा, बद्री प्रसाद चौधरी, अशोक कुमार वर्मा, के.सी. पटेल ने कहा कि रामस्वरूप वर्मा ने देश में व्याप्त विषमता मूलक संस्कृति पर आधारित व्यवस्था को समूल नाश करने के लिए अर्जक संघ नामक संगठन की स्थापना 1 जून 1968 को की। इसके माध्यम से देश में सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक एवं राजनीतिक बदलाव का बिगुल भी फूंका, जिससे समाज में फैले उच्च–नीच, छुआछूत ,जाति–पाति, भाग्यवाद, पुनर्जन्म जैसी व्यवस्था से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त किया।

कार्यक्रम में घनश्याम चौधरी, प्रमोद चौधरी, मायाराम चौधरी, अजय चौधरी, कृपाशंकर चौधरी, विद्यासागर चौधरी, अशोक कुमार चौधरी, डा. श्याम नरायन चौधरी, मंशाराम चौधरी, भरतराम चौधरी, अयांश रंजन, आदि उपस्थित रहे।

–जयंती पर याद किये गये अर्जक संघ संस्थापक रामस्वरूप वर्मा

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 25 अगस्त 2025 सोमवार

सम्पादकीय

उपराष्ट्रपति चुनाव

उपराष्ट्रपति पद के लिए अब दोनों तरफ से उम्मीदवारों का ऐलान हो चुका है। एनडीए के सीपी राधाकृष्णन के मुकाबले इण्डिया ब्लॉक ने सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज बी. सुदर्शन रेड्डी को उतारा है। संख्या बल में एनडीए यानी सत्ता पक्ष का पलड़ा भले भारी सही, लेकिन यह लड़ाई आंकड़ों से ज्यादा प्रतीकात्मक है। विपक्ष ने एक मजबूत कैंडिडेट उतारकर संदेश देने का प्रयास किया है कि वह किसी मोर्चे पर सरकार को फ्री हैंड नहीं देने जा रही।

राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं, जबकि सुदर्शन रेड्डी तेलंगाना से। दोनों चेहरों का दक्षिण भारत से होना संयोग नहीं हो सकता और इसी वजह से यह चुनाव और भी दिलचस्प हो जाता है। भाजपा के लिए दक्षिण अब भी मुश्किल जगह है, जबकि विपक्ष के लिए ऐसा मैदान, जहां उसने मजबूत चुनौती पेश की है। उपराष्ट्रपति चुनाव उसी सियासी लड़ाई का विस्तारित रूप है। जिस तरह से टीडीपी ने राधाकृष्णन के समर्थन का ऐलान किया है, उसका असर दिखने भी लगा है।

अगर सौ फीसदी वोटिंग होती है, तो दोनों सदनों में मिलाकर चुनाव में जीत के लिए 394 वोट चाहिए होंगे। छह। के पास 422 का संख्याबल है। हालांकि उपराष्ट्रपति का चुनाव गुप्त मतदान द्वारा होता है और सदस्य पार्टी विप से नहीं बंधे होते। सरकार और विपक्ष, दोनों के लिए यह मौके के साथ चुनौती भी है। दोनों तरफ से अपने समर्थन का दायरा बढ़ाने की कोशिश होगी। खासतौर पर दक्षिण से आने वाले क्षेत्रीय दलों पर नजरें होंगी।

उपराष्ट्रपति का पद किसी पार्टी का नहीं होता। इसकी गरिमा को देखते हुए अगर सर्वसम्मति से किसी को चुना जाता, तो ज्यादा अच्छा रहता। हालांकि अभी की राजनीतिक परिस्थितियों में ऐसी संभावना दूर—दूर तक नहीं दिखती। देश में पिछले कुछ बरसों से जिस तरह का माहौल है, उसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष ज्यादातर मौकों पर दो विपरीत ध्रुवों पर नजर आए हैं। जिन मामलों में सदन में सहमति की मांग थी, वहां भी सहमति नहीं दिखी, तो यह चुनाव तय ही था। हालांकि लोकतंत्र में वैचारिक लड़ाई भी महत्वपूर्ण है। उपराष्ट्रपति पद के इर्द—गिर्द हाल में बहुत हलचल देखने को मिली है। जगदीप धनखड़ जिन परिस्थितियों में और जैसे गए, उसे अच्छा नहीं कहा जा सकता। उम्मीद है कि यह चुनाव बेहतर माहौल में और इस पद के सम्मान को देखते हुए उसके हिसाब से लड़ा जाएगा। जीत जिसकी भी हो, उस पर लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं को आगे ले जाने की अहम जिम्मेदारी होगी।

बीच बहस में आवारा कुत्ते

सड़कों—गलियों में खुला घूमने वाले कुत्तों पर उच्चतम न्यायालय का आया ताजा निर्देश विवेकसम्मत और तार्किक है। निस्संदेह अदालत ने पशु प्रेमियों की संवेदनाओं का खयाल रखा है, लेकिन साथ यह भी स्पष्ट कर दिया है कि जन सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं होगा और कोई भी नागरिक सड़क पर कहीं भी कुत्तों को खाना नहीं खिलाएगा। दरअसल, राजधानी में कुत्तों के काटने की घटनाएं बढ़ गई हैं। इसे संज्ञान में लेकर अदालत ने उन्हें जल्द से जल्द सड़कों से हटा कर आश्रय स्थल भेजने का निर्देश दिया था। अदालत के इस फैसले को लेकर व्यापक स्तर पर चिंता जाहिर की गई कि क्या आवारा कुत्तों के प्रति थोड़ा नरम नहीं हुआ जा सकता है।

मगर सवाल यह है कि इस पूरी समस्या के लिए कौन जिम्मेदार है? अगर संबंधित महकमों की ओर से पशु जन्म नियंत्रण नियमों को गंभीरता से लागू किया गया होता, तो न कुत्तों की संख्या बढ़ती और न ही उन्हें सड़कों से हटाने की नौबत आती। अब अपने निर्देश में शीर्ष अदालत ने कहा है कि हटाए गए कुत्तों का बंध्याकरण हो, टीकाकरण किया जाए और उन्हें उसी क्षेत्र में छोड़ दिया जाए, जहां से उन्हें हटाया गया था। हालांकि यह निर्देश आक्रामक व्यवहार वाले और संक्रमण के संदेह वाले कुत्तों पर लागू नहीं होगा।

गौरतलब है कि हर सभ्यता में कुत्ते मनुष्य के साथ रहे हैं। वे इंसानों के अच्छे साथी साबित हुए। संवेदना के स्तर पर परस्पर जुड़ाव महसूस किया जा सकता है। कुत्ते आज लोगों के जीवन का हिस्सा हैं। मगर अब समय आ गया है कि हम उन कारणों की भी पड़ताल करें, जिनकी वजह से कुत्तों का व्यवहार आक्रामक हुआ। कई राज्यों में इनकी बढ़ती संख्या भी चिंता का विषय है। अगर संबंधित निकायों ने ध्यान दिया होता, तो अदालत सख्त कदम नहीं उठाती। हालांकि उसका कहना सही है कि यह समग्र समस्या स्थानीय अधिकारियों की निष्क्रियता का नतीजा है। कुत्तों के प्रति करुणा दिखानी चाहिए, संवेदनशील होना चाहिए, लेकिन कहीं भी उन्हें खाना खिलाने की आदत हमें बदलनी होगी। इसीलिए ताकीद की गई है कि इसके लिए खास जगह निर्धारित हो। इसे गंभीरता से लेने के साथ—साथ बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। शीर्ष अदालत का निर्देश व्यापक और सार्थक है।

वोट अधिकार यात्रा के राजनीतिक निहितार्थ

—अभिनव आकाश—

'मैं अकेला ही चला था जानिब—ए—मंजिल मगर, लोग साथ आते गए और कारवाँ बनता गया' मजरूह सुल्तानपुरी की ये लाइनें वर्तमान राजनीति पर बिल्कुल फिट बैठती हैं। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा लिखी गई किताब डिस्कवरी ऑफ इंडिया में उन्होंने एक किस्से का जिक्र किया है जब महात्मा गांधी दिसंबर 1914 के अंत में अवतरित होती है और उसके बाद से देश की राजनीति में एक बड़ा बदलाव आता है। इलीट लोगों के क्लब लगने वाली कांग्रेस पार्टी एक मॉस आर्गनाइजेशन में बदल जाती है। जवाहरलाल लाल नेहरू ने गांधी जी का जिक्र करते हुए इसमें बताया है कि गांधी जी ने सबसे बड़ा बदलाव जो भारतीय राजनीति में किया वो ये था कि उन्होंने लोगों के मन में जो खौफ था। अंग्रेजी साम्राज्य को लेकर जो डर था। गांधी ने मनोवैज्ञानिक स्तर पर और लोगों के मानस में एक बड़ा बदलाव किया। अंग्रेजों के डर को खत्म कर दिया। उन्होंने लोगों को अभय की बात सिखाई। अभय मतलब जिसको भय नहीं है। जुलाई 2024 को राहुल गांधी ने देश की संसद में खड़े होकर राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान अभय मुद्रा का बार बार जिक्र किया। शिव की तस्वीर में और कांग्रेस का चुनाव चिह्न अभय मुद्रा है और ये निडर रहने की बात करता है। इसी दौरान राहुल ने कहा कि इस्लाम में दोनों हाथों से दुआ करना भी एक तरह की अभय मुद्रा है। वैसे तो देश में गौतमबुद्ध, शंकराचार्य, गुरुनानक से लेकर महात्मा गांधी और विनोबा भावे तक की पदयात्रा का अपना स्वर्णिम इतिहास रहा है। महात्मा गांधी जब चला करते थे तो लोग जुड़ते चले जाते थे। वो कारवां इतना बड़ा हुआ करता था कि परिवर्तन की दिशा इस देश को आजादी में ले गई। इससे इतर राजनीतिक दलों के नेताओं की तरफ से भी पदयात्रा निकाली गई। यात्राएं इस देश की भीतर बहुत हुईं हैं और हर यात्रा का कोई न कोई प्रतिफल उस राजनीतिक दल या नेता के भीतर जरूर आया है। देश में अब तक कई सियासी यात्राएं हुई है, उनमें से कुछ ने राष्ट्रीय या राज्य सियासत पर अपनी गहरी छाप छोड़ी है। लोगों ने उनसे संवाद बनाया। उनके अपने सरोकार लोगों से जुड़े और एक संवाद की स्थिति ने सत्ता तक भी पहुंचाया है।

आजादी की लड़ाई से आजादी के बाद तक विभिन्न दलों की लोगों तक पहुंच बनाने की कोशिश कहीं न कहीं रंग लाती दिखी है। अब राहुल गांधी एक बार फिर से यात्रा पर निकले हैं। अब राहुल गांधी वोट चोरी के सवाल को खड़ा करके बिहार के सासाराम से निकले हैं। 17 अगस्त शुरू हुई यह यात्रा 16 दिनों में बिहार के 20 से ज्यादा जिलों से होकर गुजरेगी। राहुल इस दौरान 1300 किमी की दूरी तय करेंगे। राहुल की वोट अधिकार यात्रा उनकी अब तक की पांचवी बड़ी यात्रा होगी। कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत जोड़ो यात्रा निकाली। बर्फ और ठंड में टी शर्ट में उनका खड़े होना एक पहचान बन गई थी। उसके बाद उन्होंने मणिपुर से लेकर मुंबई तक और उसका नतीजा लोकसभा के चुनाव में दिखा। कांग्रेस की सीटें बढ़ीं। बीजेपी की सीटें कम हुईं। लेकिन अब राहुल गांधी के लिए शायद सबसे बड़ी अग्निपरीक्षा शुरू हो रही है। पहले की राहुल गांधी की यात्रा को लेकर लोगों के मन में बहुत ज्यादा अपेक्षा नहीं थी। न कोई बहुत ज्यादा उम्मीद लगाए बैठा था। लोगों को लग रहा था कि राहुल कुछ नहीं कर रहे हैं तो यात्रा पर निकले हैं। लेकिन दोनों यात्राओं से राहुल गांधी की छवि बदली। कांग्रेस और उससे भी कहीं ज्यादा उनके सहयोगियों को फायदा हुआ। लोकसभा चुनाव में नतीजा भी नजर आया।

पिछले दिनों नेता विपक्ष बनने के बाद राहुल गांधी से अपेक्षाएं बढ़ गई हैं। राहुल गांधी खास हमलावर तेवर दिखा रहे हैं। सरकार को लगातार कटघरे में खड़ा करने की कोशिश कर रहे है। वोट चोरी को सही मायनों में उन्होंने एक अखिल भारतीय मुद्दे में तब्दील कर दिया है। ऐसे में ये यात्रा क्या रंग लाती है। कांग्रेस और बिहार के गठबंधन को विधानसभा चुनाव में कैसे फायदा पहुंचाती है। 80 सीटों वाले यूपी, 48 सीटों वाले महाराष्ट्र और 42 सीटों वाले बंगाल में बीजेपी गिरी। लेकिन 40 सीटों वाले बिहार ने मोदी को बचा लिया। अगला युद्ध उसी बैटल ग्राउंड में है। जहां 90 के दशक के बाद कांग्रेस कभी उठ नहीं सकी है। राहुल जहां मोदी के साथ रेस लगाने के लिए उतरे है वहां की पॉलिटिकल पिचर पर थोड़ा नजर डालें तो। राहुल गांधी की बिहार यात्रा का मकसद बहुजन समाज को आकर्षित करना और नीतीश कुमार की जदयू व चिराग पासवान की लोजपा के वोट बैंक में सेंध लगाना है। राहुल ने जाति जनगणना, आरक्षण की सीमा हटाने, अत्याचारों को उजागर करने और धर्मनिरपेक्षता को मिलाकर एक नई पहचान गढ़ी है। वो मुकेश सहनी की वीआईपी पार्टी और दीपंकर भट्टाचार्य की सीपीआईएमएल की लाइन पर हैं।

राजनीति में अपने शुरुआती दिनों में भी राहुल ने पश्चिम यूपी के भट्टा—पारसौल में भूमि अधिग्रहण के खिलाफ पदयात्रा की थी। उनकी यात्रा को तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती के लिए एक और चुनौती के रूप में देखा गया था। राज्य सरकार ने युवा सांसद को 9 जुलाई को पड़ोसी अलीगढ़ जिले में किसानों की महापंचायत की अनुमति देने से इनकार कर दिया था, जो जबरन भूमि अधिग्रहण को लेकर इसी तरह के आक्रोश का सामना कर रहे थे। मंदिर में राहुल ने ग्रामीणों से कहा था कि मैंने आज तक एक भी किसान नहीं देखा जो विकास के खिलाफ हो। मगर विकास के नाम पर आपकी जमीन चोरी हो रही है।

किसानों के मुद्दों को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने देवरिया से दिल्ली तक 'किसान यात्रा' की। 30 दिनों के दौरान वह लगभग एक महीने में 2,500 किलोमीटर की दूरी तय किया था। राहुल देवरिया के पंचलारी गांव से अपनी यात्रा की शुरुआत की थी। यात्रा के दौरान पार्टी वर्कर्स घर—घर जाकर घरों के मुखिया से किसानों की समस्याओं के बारे में चर्चा की थी। यात्रा के लिए 250 मिनी रथ तैयार किए गए। तब यूपी में कांग्रेस ने नारा दिया था कर्जा माफ, बिजली बिल हाफ...समर्थन मूल्य का करो हिसाब।

2015 में उन्होंने केदारनाथ की यात्रा की। इसका मकसद यह बताना था कि 2013 में आई आपदा के बाद स्थितियां सामान्य हो चुकी हैं। पैदल चलकर केदार नाथ मंदिर पहुंचे राहुल गाँधी ने कहा था कि यहाँ आकर मुझे आग जैसी शक्ति मिली है। राहुल ने कहा कि मैं मंदिर में गया, मैंने कुछ मांगा नहीं, लेकिन जब मैं मंदिर के भीतर गया तो मुझे आग जैसी शक्ति मिली। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जब ये आपदा आई तो जो यहाँ अफसर काम करते हैं, जिन्होंने अपना खून पसीना दिया, उनके बारे में काफी नकारात्मक बातें कही गईं लेकिन आपदा आने के बाद से अफसरों ने, सेना ने, पुलिसवालों ने बहुत अच्छा काम किया।

भारत जोड़ो यात्रा से बहुत अलग है वोटर अधिकार यात्रा महागठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से काफी अलग है। भारत जोड़ो यात्रा में पूरा फोकस राहुल गांधी पर था। वहीं वोटर अधिकार यात्रा में महागठबंधन के नेता खासकर तेजस्वी यादव बराबरी से शामिल हैं। भारत जोड़ो यात्रा में राहुल पूरी यात्रा के दौरान पैदल चले थे। वोटर अधिकार यात्रा में राहुल जीप में रहे और आम लोगों से सीधे मिलने नहीं गए। राहुल की ये यात्रा उस समय हो रही है जब सुप्रीम कोर्ट ने विपक्ष की मांगों को स्वीकार करते हुए चुनाव आयोग को निर्देश दिया है कि नए ड्राफ्ट रोल में जिनके नाम हटाए गए हैं, उनकी जानकारी सार्वजनिक की जाए। बिहार में इसी साल के आखिर तक विधानसभा चुनाव होने हैं और उसके कुछ महीनों पहले जब अचानक से एसआईआर की प्रक्रिया शुरू हुई, तो तमाम संदेह उठने लगे।

राहुल गांधी 7 अगस्त को सामने आए और उनके हाथों में आयोग का दिया वोटर लिस्ट लिए मीडिया को 2024 पोल डेटा का एक ऑनलाइन प्रजेंटेशन करके दिखाया। राहुल गांधी ने दावा किया कि कैसे महाराष्ट्र में पांच महीने के अंदर 1 करोड़ नए वोटर्स को जोड़ा गया। चुनाव आयोग ने पोल डेटा का सॉफ्ट कॉपी देने से मना कर दिया। कांग्रेस को पेपर सीट निकालने पड़े। जो पेपर निकला भी वो ओसीआर यानी ऑप्टिकल कैरेक्टर मशीन से निकाल सकते हैं। राहुल गांधी ने ये भी बताया कि चुनाव आयोग चाहता है कि सीसीटीवी फुटेज को खत्म कर दिया जाए। जिससे एक्ट्रा वोटर गायब हो जाए और उस पर सवाल न उठे। कांग्रेस पार्टी ने 30—40 लोग लगाकर, महीने लगाकर लाख वोट चोरी होने का खुलासा किया है। सवाल हमारे डेमोक्रेटिक फाउंडेशन का है और एक एक वोट के हक का है। ऐसे में आज हम विपक्ष के आरोपों, चुनाव आयोग के जवाब, अगर ये आरोप सही होते हैं तो इसके क्या निहितार्थ हो सकते हैं। इस दावे ने देश को चौंका दिया और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव व 2024 लोकसभा चुनाव की कुछ सीटों के नतीजों पर कांग्रेस जो संदेह जताती रही है, उसे बल मिला। जब सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया, तो माना गया कि राहुल की मेहनत रंग लाई है। इसी से यह संभावना भी टटोली गई कि क्या एक और यात्रा हो सकती है।

बीजेपी के हिंदुत्व की काट के लिए समाजवादी पार्टी 2024 के लोकसभा चुनाव में पीडीए (पिछड़ा, दलित, आदिवासी) फॉर्मूला लेकर आई। राहुल के सामाजिक न्याय और आरक्षण बचाओ वाले एजेंडे के साथ मिलकर अखिलेश ने काम किया और इसका सीधा फायदा सपा को नजर आया। वैसे ही कुछ राहुल ने मायावती सरकार के दौरान साल 2007 में भ्रष्टाचार के विरोध में अभियान चलाया था। कहा तो ये भी जाता है कि इसका फायदा 2012 के विधानसभा चुनाव में सपा ने उठाया था। तमिलनाडु से लेकर महाराष्ट्र तक में कांग्रेस के हाशिये पर होने के बावजूद सहयोगियों की तरफ से खासी तवज्जो दी जा रही है। अब बारी बिहार की है और यहां तो पहले से ही झाड़खंड सीट पर तेजस्वी और राहुल बगल की सीट पर बैठ राज्य के सियासी समीकरण में कौन लीडर, कौन सहयोगी की भूमिका को साफ कर चुके हैं। राजद का पुराना संगठन है और कांग्रेस एक राष्ट्रीय स्तर की पार्टी है। कांग्रेस की आइडियोलाजी भी विलयर है। इसका फेस राहुल हैं। बिहार चुनाव में वैसे तो अब कुछ ही महीने शेष रह गए हैं। लेकिन राहुल की यात्रा कांग्रेस और उनके सहयोगियों को कितनी सफलता दिला पाएगा ये तो आने वाले वक्त में पता चलेगा।

चुनावी प्रचार सोशल मीडिया पर, तो विधानसभा क्यों नहीं?

— डॉ. प्रियंका सौरभ—

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी पारदर्शिता और जनता की भागीदारी में निहित है। संसद और विधानसभाएँ जनता की आवाज का प्रतिनिधित्व करती हैं और वही स्थान हैं जहाँ नीतियाँ, कानून और जनहित से जुड़े अहम मुद्दे तय किए जाते हैं। ऐसे में सदन की कार्यवाही तक जनता की पहुँच किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र की बुनियादी जरूरत कही जा सकती है। हाल ही में हरियाणा प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष द्वारा लिया गया यह निर्णय कि फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, ट्विटर और वेब चैनलों पर अब विधानसभा की कार्यवाही का प्रसारण नहीं किया जाएगा, कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े करता है। यह फैसला पारदर्शिता को सीमित करने वाला है या फिर सदन की गरिमा को बचाने वालाकृ यही इस संपादकीय का मूल प्रश्न है।

पिछले एक दशक में सोशल मीडिया ने भारतीय लोकतंत्र में एक नई क्रांति ला दी है। पहले जहाँ लोग टीवी समाचार चौनलों या अखबारों के भरोसे रहते थे, वहीं अब फेसबुक लाइव, यूट्यूब स्ट्रीमिंग और ट्विटर अपडेट्स से उन्हें तुरंत जानकारी मिल जाती है। विधानसभा या संसद जैसी संस्थाओं की कार्यवाही अब केवल दीवारों के भीतर सीमित नहीं रही, बल्कि सीधे जनता के मोबाइल स्क्रीन पर पहुँचने लगी।

यह बदलाव सकारात्मक भी था। आम नागरिक, खासकर युवा, लोकतांत्रिक विमर्श से जुड़ने लगे। उन्हें यह समझने का अवसर मिला कि उनके चुने प्रतिनिधि सदन में उनके मुद्दों पर किस तरह की बहस कर रहे हैं। लेकिन साथ ही इसके नकारात्मक पहलू भी सामने आए। कई बार सदन की गंभीर बहस के छोटे—छोटे अंश निकालकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए गए, जिनका प्रयोग राजनीतिक प्रचार, व्यंग्य या गलतफहमियाँ फैलाने के लिए किया गया। नतीजतन, कार्यवाही का वास्तविक उद्देश्य पीछे छूट गया और विवादों ने ज़्यादा सुर्खियाँ बटोरीं।

हरियाणा प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष हरिविंद्र कल्याण का कहना है कि इंटरनेट मीडिया पर वायरल होते वीडियो—संदेशों ने सदन की गरिमा को ठेस पहुँचाई है। कई बार असंसदीय शब्दों, हंगामों और कटाक्षों के छोटे—छोटे हिस्सों को बार—बार प्रसारित किया जाता है, जिससे जनता तक केवल नकारात्मक छवि ही पहुँचती है। उन्होंने आदेश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि अब से केवल मान्यता प्राप्त टीवी चौनल ही कार्यवाही का सीधा प्रसारण कर सकेंगे, जबकि किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाइव या रिकॉर्डिंग डालने पर सख्त प्रतिबंध रहेगा। उनका तर्क यह भी है कि सदन की कार्यवाही से हटाए गए शब्दों और अंशों को सोशल मीडिया पर प्रसारित करना सीधा नियमों का उल्लंघन है। इसलिए इस पर रोक लगाना आवश्यक है। आदेश में यह भी कहा गया है कि उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

हालाँकि यह तर्क सतही तौर पर सही प्रतीत होता है, लेकिन लोकतांत्रिक दृष्टि से कई प्रश्न भी खड़े करता है। विधानसभा जनता के टैक्स से चलती है, और वहाँ की हर गतिविधि का सीधा संबंध नागरिकों से है। ऐसे में सूचना तक पहुँच को सीमित करना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत माना जा सकता है। आज की युवा पीढ़ी टीवी नहीं देखती। वह यूट्यूब, ट्विटर और इंस्टाग्राम पर सक्रिय है। यदि केवल टीवी चैनलों तक कार्यवाही सीमित कर दी जाएगी, तो एक बड़ी आबादी लोकतांत्रिक विमर्श से वंचित रह जाएगी। जब केवल चुनिंदा माध्यमों को अनुमति होगी, तो यह संदेश जाएगा कि सूचना पर नियंत्रण किया जा रहा है। लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही कमजोर होगी।

भारत में 82 करोड़ से अधिक लोग इंटरनेट का प्रयोग करते हैं।लगभग 45 करोड़ लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स (फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, ट्विटर आदि) पर सक्रिय हैं। टीवी देखने वालों की संख्या घट रही है, जबकि मोबाइल पर समाचार देखने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। संसद टीवी और राज्य विधानसभाओं के चौनल बहुत कम दर्शकों तक पहुँच पाते हैं, जबकि यूट्यूब पर एक लाइव स्ट्रीम लाखों दर्शक जुटा सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, लोकतंत्र में डिजिटल पारदर्शिता ही जनता का विश्वास बनाए रखने का सबसे बड़ा साधन है।

टीवी चैनल अब भी सीमित वर्ग तक ही पहुँचते हैं, जबकि सोशल मीडिया की पहुँच गाँव—गाँव और युवाओं तक है। भारत जैसे देश में जहाँ डिजिटल इंडिया की बात होती है, वहाँ सूचना को केवल टीवी चौनलों तक सीमित करना समय की माँग से मेल नहीं खाता। आज की राजनीति और समाज का बड़ा विमर्श ट्विटर ट्रेंड्स और यूट्यूब डिबेट्स में ही आकार लेता है।

यह सही है कि सदन की कार्यवाही को असंदर्भित तरीके से सोशल मीडिया पर फैलाना उचित नहीं। कई बार मजाक या राजनीतिक हमले के लिए हिस्से काटकर वायरल कर दिए जाते हैं। इससे जनता तक अधूरी और गलत तस्वीर पहुँचती है। लेकिन समाधान यह नहीं कि पूरी तरह से रोक लगा दी जाए।बेहतर उपाय यह हो सकता है कि विधानसभा खुद एक आधिकारिक यूट्यूब चैनल, ट्विटर हैंडल और इंस्टाग्राम अकाउंट बनाए। वहाँ से कार्यवाही का सम्पूर्ण और बिना संपादन वाला प्रसारण किया जाए। साथ ही स्पष्ट नियम बनाए जाएँ कि अन्य लोग इस आधिकारिक कंटेंट को संदर्भ बदलकर नहीं इस्तेमाल कर सकते।

यदि विधानसभा की कार्यवाही सोशल मीडिया पर प्रसारित करना प्रतिबंधित है तो फिर नेताओं और दलों को भी चुनाव प्रचार के लिए सोशल मीडिया का प्रयोग नहीं करना चाहिए। आज वोट माँगने के लिए रैलियों और टीवी के साथ—साथ फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम और ट्विटर पर बड़े पैमाने पर प्रचार किया जाता है। ऐसे में केवल सदन की कार्यवाही को रोकना अनुचित प्रतीत होता है। लोकतंत्र में नियम सबके लिए समान हों, तभी व्यवस्था पर जनता का विश्वास कायम रह सकता है। भारत में 82 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, जिनमें से 45 करोड़ से अधिक सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। टीवी दर्शकों की संख्या घट रही है और लोग मोबाइल पर सीधे समाचार देखना पसंद करते हैं। विधानसभा की कार्यवाही केवल टीवी चौनलों तक सीमित करने का निर्णय लोकतांत्रिक पारदर्शिता को सीमित कर सकता है। बेहतर उपाय यह होगा कि विधानसभाएँ अपने आधिकारिक डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाएँ, जहाँ कार्यवाही का सम्पूर्ण और सत्य प्रसारण हो। इस तरह सदन की गरिमा भी बनी रहेगी और जनता को सूचना तक पहुँच का अधिकार भी मिलेगा।

मांसाहारी दूध पर भारत—अमेरिका विवाद

—सुरेश गोयल धूप वाला —

अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं के आयात पर 50 : टेरीफ लगाने के बाद भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक तनाव कई क्षेत्रों में देखा जा रहा है। लेकिन डेयरी उत्पादों को लेकर उठा विवाद विशेष रूप से संवेदनशील और गंभीर है। इस तनाव का प्रमुख कारण अमेरिका द्वारा भारत को गाय का दूध निर्यात करने की इच्छा है, जो भारत की सांस्कृतिक, धार्मिक और नैतिक मान्यताओं से टकराता है। भारत का आरोप है कि अमेरिका का दूध 'मांसाहारी दूध' है, क्योंकि वहां की डेयरी गायों को मांस और पशु अवशेषों से बने चारे का सेवन कराया जाता है।

भारत में दूध को न केवल पोषण का स्रोत बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से पवित्र माना जाता है। सनातन परंपरा में गाय को "गौ माता" के रूप में पूजा जाता है और उसके दूध को सात्विक, शाकाहारी व रोगनिवारक आहार माना जाता है। ऐसे में यदि दूध उत्पादन की प्रक्रिया में मांस या पशुजन्य अवयवों का उपयोग हो, तो भारतीय दृष्टिकोण से यह दूध अपवित्र और मांसाहारी माना जाएगा। यही कारण है कि भारत ने स्पष्ट रूप से ऐसे दूध और उससे बने उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगा रखा है।

अमेरिका और कई अन्य पश्चिमी देशों में डेयरी उत्पादन की लागत कम करने और गायों की दूध देने की क्षमता बढ़ाने के लिए उच्च प्रोटीन वाले "एनिमल बाय—प्रोडक्ट फीड"का इस्तेमाल किया जाता है। यह चारा प्रायः पोल्ट्री फार्म, मांस उद्योग और मछली उद्योग से बची—खुची सामग्री से तैयार होता है। इसमें शामिल होते हैं— मुर्गियों और मछलियों के आंतरिक अंग, हड्डी और रक्त का पाउडर,पशुओं के मांस के बचे हुए टुकड़े, हड्डियों को पीसकर बनाया गया बोन मील,मछली से निकले तेल और चूर्ण।

इस मिश्रण को अन्य अनाज और विटामिन सप्लीमेंट्स के साथ मिलाकर पशु—आहार बनाया जाता है। अमेरिका में इसे "सामान्य फार्मिंग प्रैक्टिस" के रूप में स्वीकार किया गया है, क्योंकि उनके दृष्टिकोण में यह पोषण बढ़ाने और वेस्ट मैनेजमेंट का एक व्यावहारिक तरीका है। लेकिन भारतीय परंपरा में, यह पूरी प्रक्रिया नैतिक रूप से अनुचित और धार्मिक मान्यताओं के विपरीत मानी जाती है।

भारत ने अमेरिका से साफ कहा है कि या तो वे अपनी गायों को मांसाहारी चारा देना बंद करें, या फिर ऐसे दूध और डेयरी उत्पादों पर स्पष्ट लेबल लगाएं, जिससे उपभोक्ताओं को सही जानकारी मिल सके। लेकिन अमेरिका का तर्क है कि उनकी कृषि प्रणाली में यह सामान्य प्रक्रिया है और वे इसे बदलने के लिए बाध्य नहीं हैं। अमेरिका का मानना है कि लेबलिंग की ऐसी शर्तें गैर—जरूरी बाधाएं हैं और अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों के विपरीत हैं।

यह विवाद केवल दूध के आयात—निर्यात का नहीं, बल्कि सांस्कृतिक मूल्यों और व्यावसायिक हितों का टकराव है। भारत के लिए यह मामला धार्मिक और नैतिक आस्था से जुड़ा है, जबकि अमेरिका इसे महज व्यापारिक अवसर और कृषि पद्धति का हिस्सा मानता है। यही कारण है कि दोनों देशों के बीच डेयरी उत्पादों पर कोई ठोस व्यापारिक समझौता अब तक नहीं हो पाया है।गाय, दूध और उससे जुड़ी पवित्रता भारतीय समाज की गहराई में बसी है। अमेरिका से आने वाला "मांसाहारी दूध" इस भावनात्मक और सांस्कृतिक ताने—बाने से मेल नहीं खाता।

राजा भैया का पत्नी वाला ग्रह खराब, कुछ नहीं कर सकते ये तो घर-घर की कहानी है -अक्षय प्रताप

संवाददाता–गोण्डा। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह गोंडा पहुंचे। उन्होंने सर्किट हाउस में पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर संगठन की समीक्षा की और आगामी पंचायत चुनाव को लेकर रणनीति बनाई। एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह ने कुटुंब परिवार को लेकर कहा कि अगर कुटुंब परिवार नहीं करेंगे तो विवाह और शादी कैसे होंगे। कुटुंब की बैठकें नहीं करेंगे तो फिर क्या करेंगे। राजपूत हमेशा सब समाज को साथ लेकर चला है। बृजभूषण ने सही कहा कि भगवान राम जब वनवास गए थे, तो उनके साथ पूरा समाज गया था। जितने भगवान पैदा हुए, सब राजपूत के रूप में हुए। समाजवादी इसलिए बने क्योंकि भगवान श्रीकृष्ण क्षत्रिय पैदा हुए और यादव समाज में पले–बढ़े। राजपूत समाज में कभी भेदभाव नहीं रहा। महाराणा सांगा ने जब युद्ध लड़ा, तो हर जाति के लोग उनके साथ थे। उन्होंने रविदास को गुरु माना। हम लोग हमेशा सबके साथ खड़े रहते हैं।

अक्षय प्रताप ने राजा भैया और भानवी सिंह के बीच चल रहे विवाद को लेकर कहाकि देखिए, नौ ग्रह होते हैं। अगर किसी एक ग्रह का समय खराब है तो यह कोई बड़ी बात नहीं है। यह हर घर की कहानी है। अगर पत्नी वाला ग्रह खराब हो गया है, तो उसके लिए कुछ नहीं किया जा सकता। बहुत लोगों का ग्रह खराब होता है, आपका भी हो सकता है, बस आप बचकर रहिए।

पंचायत चुनाव और 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी अब तीसरे नंबर की पार्टी है। उन्होंने आगे कहाकि पिछली बार हम 20 सीटों पर लड़े और 2 सीट जीते। तीसरे नंबर पर रहने वाला पहला बनने की कोशिश करता है। गठबंधन पर हमारा कुछ नहीं है। हम अपनी तैयारी खुद कर रहे हैं और किसी पर निर्भर नहीं हैं। 2027 के विधानसभा चुनाव और पंचायत चुनाव दोनों में हम पूरे प्रदेश में लड़ेंगे। पार्टी ने तय किया है कि पंचायत चुनाव भी पूरे उत्तर प्रदेश में लड़ेंगे। अक्षय प्रताप ने कहा कि हम क्षत्रिय हैं तो क्षत्रिय कहलाएंगे, दूसरी जाति थोड़ी कहला सकते हैं, किंतु हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष पासी समाज से आते हैं। कर्म से वे हमारे बिरादरी के हैं। वे पचखी से शिकार करते हैं और हम राइफल से, यानी वे हमसे भी बहादुर हैं। हर राजा–महाराजा के साथ हर समाज के लोग लड़े हैं। बृजभूषण शरण सिंह से संबंधों को लेकर उन्होंने कहा कि बृजभूषण शरण सिंह उनके बड़े भाई हैं। उनका आशीर्वाद हमेशा साथ रहेगा। उनके सारे बेटे विधायक और सांसद बन चुके हैं।

वहीं, योगी सरकार के कामों को लेकर उन्होंने कहाकि हम उनके सब कामों से सहमत नहीं हैं। जैसे किसानों को खाद नहीं मिल रही है, कृषि यंत्र महंगे हो गए हैं, महंगाई बढ़ रही है। सरकार को इसे कंट्रोल करना चाहिए। उन्होंने बिहार में हो रहे चुनाव और वोटर लिस्ट को लेकर भी सवाल खड़ा किया।

केंद्रीय मंत्री ने महराजगंज के विकास कार्यों का लिया जायजा

संवाददाता–महराजगंज। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने रविवार को पनियरा विधानसभा क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने परतावल, श्यामदेउरवा, राजपुर, पनियरा, गांगी और मुजूरी में ग्रामीणों से संवाद कर विकास कार्यों का जायजा लिया।

मंत्री ने मोदी–योगी सरकार की योजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार गरीब, किसान, महिला और नौजवान की सरकार है। उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना और किसान सम्मान निधि इसके प्रमाण हैं। पंकज चौधरी ने विपक्षी दलों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि सपा, बसपा और कांग्रेस की सरकारें सिर्फ परिवार और तुष्टिकरण तक सीमित रहीं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने विकास को गांव–गांव तक पहुंचाया है। ग्रामीणों ने मंत्री के समक्ष सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की समस्याएं रखीं। मंत्री ने अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचेगा। इस दौरान कार्यक्रम में पनियरा विधायक झानेंद्र सिंह, प्रमुख आनंद शंकर वर्मा, ब्लॉक प्रमुख वेद प्रकाश शुक्ल, चेयरमैन उमेश जायसवाल समेत कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आरोग्य मेले मे 46 मरीजों को मिला मुफ्त इलाज और दवाएं

संवाददाता–महराजगंज। चौक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर रविवार को आयोजित आरोग्य मेले में 46 मरीजों को निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। स्थानीय क्षेत्र के ग्रामीण बड़ी संख्या में मेले में पहुंचे। चिकित्सक डॉ. रामस्वरूप ने मरीजों की जांच कर परामर्श दिया। मरीजों को मुफ्त दवाएं भी वितरित की गईं। मेले में आए अधिकांश मरीज बुखार, खांसी–जुकाम, कमजोरी और पेट दर्द से पीड़ित थे। दूरदराज के क्षेत्रों से आए ग्रामीणों ने कहा कि इस तरह के मेलों से उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ आसानी से मिल जाता है। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने मेले के सफल आयोजन में योगदान दिया।

चांदी की पायल, नगदी और मोटरसाइकिल समेत दो आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। नवीन मॉडर्न पुलिस ने चोरी की वारदात का खुलासा किया है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी का माल भी बरामद किया है। एसपी घनश्याम चौरसिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी। दरअसल, थाना नवीन मॉडर्न श्रावस्ती के प्रभारी निरीक्षक शम्भू सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर लालबोझी में बलरामपुर बॉर्डर के पास से रवीन्द्र पाण्डेय और रोहित वर्मा को गिरफ्तार किया। रवीन्द्र पाण्डेय इकौना थाना क्षेत्र के रमवापुर डकाही का रहने वाला है। रोहित वर्मा मलपुरवा अमारे भरिया का निवासी है।

घटना 15–16 अगस्त की रात की है। चोरों ने हलीमपुरवा चौनपुर की एक महिला के घर की पिछली दीवार से आंगन में प्रवेश किया। कमरे का दरवाजा तोड़कर बक्से और अलमारी से करीब डेढ़ लाख रुपए के जेवरात और 6,000 रुपए नगद चुरा लिए थे। पुलिस ने रवीन्द्र पाण्डेय से 4,100 रुपए नगद और एक ओप्पो मोबाइल बरामद किया। रोहित वर्मा से दो की–पैड मोबाइल, एक वीवो एंड्रॉइड मोबाइल, 200 रुपए नगद और एक जोड़ी चांदी की पायल बरामद हुई। इसके अलावा एक काली अपाचे मोटरसाइकिल भी बरामद की गई। रोहित वर्मा का आपराधिक इतिहास बाराबंकी के मसौली थाने में लूट और गैंगस्टर एक्ट के मामलों में दर्ज है। नवीन मॉडर्न थाने में आर्म्स एक्ट का मामला भी दर्ज है। रवीन्द्र पाण्डेय पर आबकारी अधिनियम और आर्म्स एक्ट के मामले दर्ज हैं।

गणेश महोत्सव और बारावफात त्योहार को लेकर पीस कमेटी की बैठक

संवाददाता–महराजगंज। कोठीभार थाना परिसर में रविवार को गणेश महोत्सव और बारावफात त्योहार को लेकर पीस कमेटी की बैठक हुई। एसडीएम निचलौल नंद प्रकाश मौर्या और सीओ शिव प्रकाश सिंह ने बैठक की अध्यक्षता की। एसडीएम मौर्या ने कहा कि त्योहार को आपसी भाईचारे और सद्भाव के साथ मनाएं। उन्होंने सभी आयोजनों के लिए प्रशासनिक अनुमति अनिवार्य की है। गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए पूर्व निर्धारित मार्गों का उपयोग करने का निर्देश दिया। सीओ सिंह ने कहा कि इस बार गणेश महोत्सव और बारावफात एक साथ हैं। त्योहारों में अशांति फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। जुलूस में डीजे साउंड को शासन के निर्देशों के अनुसार बजाने को कहा। प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि त्योहार खुशियों का प्रतीक है। उन्होंने लोगों से कानून व्यवस्था अपने हाथ में न लेने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की। किसी अप्रिय घटना की स्थिति में तुरंत थाने को सूचित करने को कहा। बैठक में प्रमोद जायसवाल, ओंकार तिवारी, चंद्रशेखर उर्फ लल्ले सिंह, ग्राम प्रधान दीनानाथ सिंह, जितेंद्र वर्मा, रघुवर यादव, बेलाल अहमद, रमजान अली, शखावत, कौसेन अली, आबिद अली और शफीउल्लाह समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए कैश क्रॉप और एग्रो प्रोसेसिंग पर जोर

संवाददाता–देवरिया। रविवार को जिला पंचायत सभागार में विकसित देवरिया लोकसभा क्षेत्र के लिए अमृत प्रयास कार्यक्रम की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य विषय कैश क्रॉप और एग्रो प्रोसेसिंग में प्रोत्साहन था। केंद्रीय राज्य मंत्री कमलेश पासवान, किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह और सदर सांसद शशांक मणि ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। केंद्रीय राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। अमृत प्रयास के सात संकल्प किसानों की आय दोगुनी करने में मददगार साबित होंगे।

प्रदेश किसान मोर्चा अध्यक्ष ने एग्रो प्रोसेसिंग इकाइयों की स्थापना के लिए सरकारी अनुदान की जानकारी दी। सांसद शशांक मणि ने कहा कि प्रोसेसिंग से फसलों का नुकसान कम होगा और किसानों को बेहतर मूल्य मिलेगा। कृषि विशेषज्ञ नरेश ने गन्ना, कपास, जूट, चाय और कॉफी जैसी कैश क्रॉप के फायदों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में सदर विधायक डा. शलभ मणि त्रिपाठी, तमकुही विधायक सुरेंद्र कुशवाहा और अन्य नेताओं ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष पवन कुमार मिश्रा ने किया।

पीआरडी जवान 27 दिन से लापता, बाइक और मोबाइल लावारिस हालत में मिला

संवाददाता–बलरामपुर। पीआरडी का एक जवान रहस्यमय परिस्थितियों में 27 दिन से लापता है। जवान की ड्यूटी सावन माह में झारखंडी महादेव मंदिर पर लगाई गई थी। परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है, लेकिन अब तक पुलिस को कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। यह पूरा मामला ललिया थाना क्षेत्र के रामदयालडीह गांव निवासी मुक्तिनाथ मिश्र का है। वे बीते 29 जुलाई से लापता हैं। परिजनों के अनुसार, वह प्रतिदिन करीब 25 किमी दूर जाकर ड्यूटी करते थे। घटना वाले दिन वह घर से ड्यूटी के लिए निकले लेकिन लौटकर नहीं आए। चिंतित परिजनों ने तलाश शुरू की तो उनकी बाइक (यूपी47 एटी 0624) और मोबाइल फोन गनवरिया स्थित राममिलन दास मंदिर समाधि स्थल पर लावारिस हालत में मिले। इसके बाद परिवार का शक और गहरा गया। बता दें कि लापता पीआरडी जवान मुक्तिनाथ मिश्र के परिवार में पत्नी फूलमती देवी, एक बेटी और दो बेटे हैं। परिवार का भरण–पोषण उनकी ड्यूटी से मिलने वाले वेतन पर सो होता है। बेटी की शादी के लिए रिश्ता तलाश जा रहा था, लेकिन उससे पहले ही वह रहस्यमय ढंग से लापता हो गए। परिजनों का कहना है कि घटना को करीब एक महीना होने वाला है, लेकिन अब तक कोई भी सुराग नहीं मिला है। परिवार प्रशासन से जल्द से जल्द उनके पिता को ढूंढने की गुहार लगा रहा है। परिजनों की तहरीर पर नगर कोतवाली में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई। नगर कोतवाली प्रभारी सुधीर सिंह ने बताया कि मामले में सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

तेंदुए को पकड़ने के लिए तलाश जारी, सोतिया गांव में मिले पगचिन्ह, वन विभाग की टीम 24 घंटे कर रही निगरानी

संवाददाता–गोण्डा। खोडारे थाना क्षेत्र के सोतिया गांव में तेंदुए की मौजूदगी से ग्रामीणों में भय का माहौल है। देर शाम वन विभाग के एसडीओ सुदर्शन कुमार के नेतृत्व में तेंदुए को पकड़ने के लिए सर्च अभियान चलाकर के तेंदुए की तलाश की गई। वन विभाग की टीम भी पुलिसकर्मियों के साथ क्षेत्र में कांबिंग कर रही है। सोतिया गांव के आसपास कई स्थानों पर तेंदुए के पगचिन्ह मिले हैं। वन विभाग की टीम पगचिन्हों के आधार पर तेंदुए की तलाश कर रही है। ड्रोन कैमरे का भी इस्तेमाल किया जा रहा है, लेकिन अभी तक तेंदुए को पकड़ने में सफलता नहीं मिली है। वन विभाग के एसडीओ सुदर्शन कुमार ने बताया कि चार–पांच दिन पहले जंगली जानवर के आने की सूचना मिली थी। सादुल्लाह नगर रेंज के कर्मचारी शिफ्ट में 24 घंटे निगरानी कर रहे हैं। जंगली जानवर की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। ग्रामीणों और जंगली जानवर की सुरक्षा के लिए पिंजरा लगाया गया है।

वन विभाग को ग्रामीणों का पूरा सहयोग मिल रहा है। ग्रामीणों को अकेले न जाने और समूह में रहने की सलाह दी गई है। वन विभाग जानवर को पकड़ने का प्रयास कर रहा है, लेकिन अभी तक यह पुष्टि नहीं हो पाई है कि यह तेंदुआ है या कोई अन्य जंगली जानवर।

वहीं, सोतिया गांव के रहने वाले मधु, हिन्द राम,कनिक ने बताया कि 6 दिन पहले यहां पर तेंदुआ आया है। उन्होंने कहा– ष्हम लोगों ने खुद अपनी आंख से देखा है, लेकिन वन विभाग मानने को तैयार नहीं है। रात भर हम लोग जाकर के अपने गांव वालों की अपने घर वालों की और अपने जानवरों की रक्षा कर रहे हैं। वन विभाग द्वारा यहां पर तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा भी लगाया गया है, लेकिन अभी तक तेंदुआ नहीं पकड़ा गया है। हम लोग मांग कर रहे हैं कि जल्द से जल्द पकड़ा जाए। आज यहां पर वन विभाग के कुछ अधिकारी भी आए थे। उनके द्वारा भी यहां पर पहुंच करके जांच की गई है। जिस रास्ते से तेंदुआ गया है वहां पर उसके पैर का निशान बना हुआ है फिर भी वन विभाग का रहा है कि तेंदुआ नहीं है।

नहीं रहे अयोध्या के राजा विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्रा पप्पू भैया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। 74 साल की उम्र में अयोध्या के राजा श्री राम जन्मभूमि के ट्रस्टी विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्रा का स्वर्गवास उनके आवास राज्य सदन में शनिवार की रात्रि में हो गया, कुछ दिन पहले उनका स्पाइन का ऑपरेशन हुआ था और तीन दिन पहले वह लखनऊ से चेकअप कर के लौटे थे रात्रि में अचानक तबियत बिगड़ी श्री राम हॉस्पिटल के डॉक्टर राज सदन पहुंचे और वहीं पर उनका स्वर्गवास हो गया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सरकार ने जब मंदिर निर्माण के लिए ट्रस्ट का गठन किया तो उसमें अयोध्या के राजा विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र का भी नाम था और वह पूरी तन्मयता के साथ मंदिर निर्माण के साथ प्राण प्रतिष्ठा के भी साक्षी बने उनका अंतिम संस्कार राज्य परिवार की तरह किया गया जिसमें अयोध्या के संत महंत गृहस्थ राजनेता अयोध्या के लोग भारी संख्या में सम्मिलित हुए और अंतिम विदाई दी। राज परिवार की तरफ से अयोध्या में महाराजा इंटर कॉलेज जो एक समय में शिक्षा का उत्तम केंद्र माना जाता था और आज भी वह अयोध्या और आसपास के जिलों के विद्यार्थियों के लिए एक अच्छा केंद्र स्थापित है और यहां दूर दराज के बच्चे पढ़ने आते हैं। इसी के साथ–साथ महाराजा पब्लिक स्कूल और अनेक सामाजिक कार्य में पप्पू भैया का नाम बड़े आदर के साथ लिया जाता है। अयोध्या में राजवंश परिवार के मौजूदा राजा के रूप में विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र अयोध्या के लोगों के बीच राजा साहब के रूप में जाने जाते थे। वह अयोध्या रामायण मेला संरक्षक समिति के सदस्य भी थे।उत्तर प्रदेश से लेकर भारत सरकार के वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों और राजनेताओं से उनके नजदीकी संबंध रहे। उनके पुत्र यतींद्र मोहन प्रताप मिश्र प्रख्यात कवि और लेखक है। प्रख्यात गायिका लता मंगेशकर पर यतींद्र ने लता सुर गाथा नामक प्रसिद्ध पुस्तक लिखी। इस पर उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। राजा विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्रा पप्पू भैया फैजाबाद लोकसभा सीट से 2009 में बसपा के टिकट पर चुनाव लड़े, लेकिन जीत नहीं सके।अयोध्या राजवंश के राजा दर्शन सिंह की वंशावली से जुड़ी कड़ी में स्वर्गीय महारानी विमला देवी के दो पुत्र विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र और शैलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र हुए।

जैसे ही अयोध्या में यह खबर फैली की अयोध्या के राजा विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्रा पप्पू भैया अब नहीं रहे पूरे अयोध्या में शोक की लहर दौड़ गई सब लोग राजभवन पहुंचे और पुष्पांजलि अर्पित की राज परिवार को ढांढस बढ़ाया। अयोध्या के संत महंत वरिष्ठ नागरिक राजनेता राज सदन पहुंचे सभी ने पुष्पांजलि अर्पित की। धर्म सम्राट महंत ज्ञान दास जी महाराज के शिष्य संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास राज सदन पहुंचे पप्पू भैया को पुष्पांजलि अर्पित की उनके परिवार से मुलाकात की इस दौरान हनुमानगढ़ के वरिष्ठ पुजारी श्रृंगी ऋषि आश्रम के महंत हेमंत दास, शिवम श्रीवास्तव भी मौजूद रहे। हनुमानगढ़ के राजू दास महाराज राज सदन पहुंचकर के पुष्पांजलि अर्पित की।सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा वे केवल नाम के राजा नहीं थे वह दिल के भी राजा थे, उनके निधन से दिल दुखी है। बाबरी मस्जिद के पक्षकार रहे इकबाल अंसारी ने भी जताया दुख, भगवान और अल्लाह से की दुआ, भगवान और अल्लाह रखे अपने चरणों में स्थान दें। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय सपा के पूर्व राज्य मंत्री पवन पांडे, भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, भाजपा विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, कमिश्नर, आईजी, डीएम एसएसपी ने भी राज सदन पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद श्री राम जन्मभूमि परिसर में रामलला के लिए अस्थाई मंदिर का निर्माण किया गया और भगवान श्री रामलला को अस्थाई भवन में शिफ्ट किये जाने के अस्थाई भवन तैयार हो चुका है। 25 मार्च को भगवान श्री रामलला टेंट से निकल कर अस्थाई मंदिर में जाएंगे और जिस चांदी के सिंहासन पर प्रभु श्री राम लला अपने भाइयों के साथ अस्थाई मंदिर में विराजमान हुए थे वह चांदी का सिंहासन अयोध्या राज सदन से विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्रा पप्पू भैया के द्वारा ही श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र को सौंपा गया था।यह सिंहासन लगभग 25 इंच लंबा और 15 इंच चौड़ा और 30 इंच ऊंचा है इसमें एक चौकी भी है। वही बताया कि इस सिंहासन में सूर्यवंश की प्रतीक सूर्य देवता मुखाकृति पीछे अंकित है।

तोताद्रिमठ में हुआ सामूहिक सुंदरकांड, हनुमान चालीसा पाठ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भाद्र कृष्ण पक्ष अमावस्या की पावन तिथि पर रामानुज संप्रदाय की प्रतिष्ठित पीठ उत्तर तोताद्रिमठ विभीषणकुंड, अयोध्या धाम में संत–धर्माचार्यों के द्वारा सायंकाल सुंदरकांड व हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। यह आयोजन धर्म रक्षा मंच के तत्वाधान में आयोजित रहा। जो उत्तर तोताद्रिमठ के वर्तमान पीठाधिपति श्रीमज्जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी अनंताचार्य के कुशल सानिध्य एवं बावन मंदिर पीठाधीश्वर महंत वैदेहीवल्लभ शरण की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रूप में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रांत प्रचारक कौशल जी मौजूद रहे। सर्वप्रथम बजरंगबली के चित्रपट पर पूजन–अर्चन और दीप प्रज्वलन संग कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उसके बाद संत–महंत, धर्माचार्यों, वेदपाठी छात्रों, उपस्थित जनों ने सामूहिक सुंदरकांड तथा हनुमान चालीसा का पाठ किया। पाठ के समापन उपरांत बजरंगबली की आरती उतारी गई। फिर सभी ने प्रसाद ग्रहण किया। उत्तर तोताद्रिमठ द्वारा संचालित बालदेशिक सोपान ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी केशव प्रपन्नाचार्य उपनाम केशव नारायण दूबे ने आए हुए संत–महंत, धर्माचार्य व विशिष्टजनों का अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत–सम्मान किया। तोताद्रिमठ पीठाधीश्वर स्वामी अनंताचार्य महाराज ने कहा कि आज हम सब एक मंच पर एकत्रित होकर भगवान श्रीराम–बजरंगबली के महिमा की गाथा सुन रहे है। यह हम सनातन धर्मावलंबियों के लिए बहुत ही सौभाग्य एवं गर्व का विषय है। महंत वैदेहीवल्लभ शरण ने कहा कि अयोध्या अध्यात्मिक नगरी है। जिसे सप्तपुरियों में प्रथम पुरी भी कहा गया है। जहां मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम ने जन्म लिया। यहां धर्मरक्षा मंच के तत्वाधान में सामूहिक सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा का पाठ किया जा रहा है। उसी परिप्रेक्ष्य में तोताद्रिमठ में भी पाठ हुआ। आरएसएस प्रांत प्रचारक कौशल ने कहा कि सुंदरकांड व हनुमान चालीसा पाठ के माध्यम से हम सब एक जगह पर एकत्रित होकर प्रभु का गुणगान कर रहे हैं। धर्मो रक्षति रक्षितः अर्थात धर्म की रक्षा से ही हमारी पहचान है। सामूहिक सुंदरकांड–हनुमान चालीसा पाठ में हनुमत सदन के महंत अवधकिशोर शरण, रवि नागा, बधाई भवन के महंत राजीवलोचन शरण, महंत श्यामसुंदर दास, महंत वीरेंद्र दास, महंत सनत कुमार दास, रविदास मंदिर के महंत बनवारी पति ब्रह्मचारी, महंत रविशंकर शरण, महंत गौतम शरण, महंत सीताराम दास, महंत सत्येंद्र दास वेदांती, महंत कामता शरण, महंत प्रियाशरण, महंत प्रियाप्रीतम शरण, महंत महेश दास, महंत रामशरण दास रामायणी, स्वामी गयाशरण, आचार्य वरूण दास, महंत रामप्रवेश दास, महंत संत शरण, महंत अखिलेश्वर दास, संत एमबी दास, विक्रमा प्रसाद पांडेय, महानगर प्रचारक सुदीप जी, भवदीय ग्रुप के डॉ. अवधेश वर्मा, भाजपा नेता हरीश श्रीवास्तव, डॉ. जय गुरुदेव शुक्ल, राधारमण त्रिपाठी, श्याम नारायण तिवारी आदि शामिल रहे।

11 कन्याओं की पढ़ाई,शादी का खर्च उठाएगा युवा सोच संगठन

संवाददाता–गोण्डा। युवा सोच संगठन के संस्थापक अनिल सिंह भदौरिया ने कजरी तीज पर एक महत्वपूर्ण घोषणा की है।वे इस त्योहार पर 11 कन्याओं को गोद लेंगे। इन कन्याओं की शिक्षा से लेकर विवाह तक का सारा खर्च वे वहन करेंगे। अनिल सिंह पहले से ही समाज सेवा में सक्रिय हैं। वे रोज शाम को गोंडा के गुरु नानक चौराहा, अबेडकर चौराहा, बड़गांव चौराहा और गोंडा स्टेशन पर जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित करते हैं। सर्दियों में गरीबों को मुफ्त कपड़े देते हैं। दीपावली पर 50 से अधिक गरीब परिवारों को त्योहार मनाने का सामान उपलब्ध कराते हैं।

अनिल सिंह ने बताया कि वे हर साल अपनी बेटी के जन्मदिन और कजरी तीज पर कुछ विशेष करते हैं। इस बार गोद ली गई कन्याओं को ऐसी शिक्षा दिलाएंगे, जिससे वे अच्छी नौकरी पा सकें। उन्होंने कहा कि विवाह के बाद भी अगर इन कन्याओं को कोई समस्या होगी, तो वे उसका समाधान करेंगे। उन्होंने बताया कि उन्हें समाज सेवा की प्रेरणा अपने पिता और पत्नी से मिली है। उनकी पत्नी समय–समय पर उन्हें मार्गदर्शन देती रहती हैं।

उनका मानना है कि इस तरह की समाज सेवा से लाभार्थी आजीवन कृतज्ञ रहते हैं। अनिल सिंह भदौरिया ने कहा कि जहां कहीं भी मुझे जानकारी मिलती है किसी गरीब बेटी की शादी है वहां भी मेरे द्वारा बढ़–चढ़कर उसकी मदद की जाती है। गरीब बच्चों के साथ में हमेशा खड़ा रहता हूं अनाथ आश्रम जाकर के बच्चों के साथ मेरे द्वारा अलग–अलग तरीके से कार्यक्रम किया जाता है।

गुरुओं की शिक्षाओं–बलिदान के प्रति कृतज्ञता के साथ राष्ट्र–धर्म की रक्षा हमारा दायित्व –योगी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में पैडलेगंज स्थल पर पर्यटन विकास कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने संबोधन में कहा कि सिख गुरुओं ने अपने बलिदान से सनातन की रक्षा की। गुरुओं की शिक्षाओं और बलिदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए राष्ट्र और धर्म की रक्षा हमारा दायित्व है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गोरखपुर के पैडलेगंज स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यटन विकास कार्यों, गुरुद्वारा भवन के नए स्वरूप और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार कार्यों का लोकार्पण किया। पवित्र गुरु ग्रंथ साहिब के 421वें प्रकाश पर्व पर आयोजित समागम में मुख्यमंत्री ने गुरुवाणी सुनी और संगत के बीच शामिल हुए। गुरुद्वारा समिति की ओर से उन्हें प्रतीक चिन्ह, तलवार भेंटकरऔर शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इतिहास में वही जाति और कौम जीवित रहती है, जो अपने पूर्वजों के शौर्य, पराक्रम और बलिदान को जीवन का हिस्सा बनाती है। सिख गुरुओं ने सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उनकी वीरता, त्याग और बलिदान देश की आत्मा में आज भी जीवित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख गुरुओं की परंपरा अनुपम और अटूट रही है। गुरु नानक देव जी से लेकर गुरु गोविंद सिंह जी महाराज तक, हर गुरु ने सनातन धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उन्होंने कहा कि जब भी भारतीय संस्कृति पर संकट आया, सिख गुरुओं ने आगे बढ़कर अपने बलिदान से उसे बचाया। सीएम योगी ने विशेष रूप से गुरु तेग बहादुर जी की शहादत को याद किया। उन्होंने कहा कि उनके बलिदान के 350वें वर्ष में देशभर में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कुछ ही समय पूर्व मुख्यमंत्री आवास से नगर कीर्तन और कीर्तन पाठ के जरिए इस आयोजन की शुरुआत हुई। इसी तरह गुरु नानक देव जी महाराज के 550वें प्रकाश पर्व पर भी मुख्यमंत्री आवास पर पहली बार गुरुवाणी का आयोजन हुआ था। सीएम योगी ने गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के चार साहिबजादों बाबा अजीत सिंह, बाबा जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि उनका बलिदान भारतीय इतिहास का गौरवशाली अध्याय है। उन्होंने कहा कि जब उन्हें लालच दिया गया कि इस्लाम स्वीकार कर लो तो जीवन और रियासत दोनों सुरक्षित रहेंगे, लेकिन उन्होंने झुकने की बजाय बलिदान का मार्ग चुना। छोटे साहिबजादों को दीवार में चुनवाकर शहीद कर दिया गया, लेकिन उन्होंने अपने धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए दृढ़ निष्ठा दिखाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि यही बलिदान आज हम सभी को प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 26 दिसंबर को पूरे देश में 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है। यह सिख गुरुओं और साहिबजादों के बलिदान को श्रद्धांजलि देने का एक ऐतिहासिक निर्णय है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पैडलेगंज का यह गुरुद्वारा वर्षों से सिख संगत का आस्था केंद्र रहा है। पहले यहां सुविधाओं का अभाव था, लेकिन अब पर्यटन विभाग और सरकार की मदद से इसे आधुनिक स्वरूप प्रदान किया गया है। अब यहां श्रद्धालुओं के लिए गुरुवाणी पाठ, लंगर और अन्य धार्मिक कार्यक्रम और बेहतर सुविधाओं के साथ हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि गुरुद्वारा केवल किसी जाति या समुदाय तक सीमित नहीं होता। यहां आने वाले हर व्यक्ति का स्वागत होता है। यही सिख परंपरा और गुरुवाणी का वास्तविक संदेश है। सीएम योगी ने कहा कि गोरखपुर के प्रमुख तीन गुरुद्वारों जटाशंकर, मोहद्दीपुर और पैडलेगंज को बेहतर स्वरूप देने का कार्य किया गया है। यह सिख गुरु परंपरा के प्रति हमारी कृतज्ञता और श्रद्धा का प्रतीक है। सीएम योगी ने कहा कि आज का दिन हमारे लिए पवित्र इसलिए भी है कि 421 वर्ष पूर्व इसी दिन गुरु ग्रंथ साहिब जी को हरमंदिर साहिब में स्थापित कर उन्हें गुरु के रूप में स्वीकार किया गया। यह परंपरा आज भी पूरे विश्व में आस्था और श्रद्धा का केंद्र है। उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं ने अपने जीवन का हर क्षण देश, धर्म और मानवता के कल्याण के लिए समर्पित किया। आज हमारा दायित्व है कि उनकी शिक्षाओं और बलिदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करें।

सीएम ने गोरखपुर में सिख समुदाय की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि यह आयोजन पूर्वी उत्तर प्रदेश के सिख समुदाय को एकजुट करने का अवसर है। उन्होंने लखनऊ में अपने नियमित गुरुपर्व आयोजनों का जिक्र करते हुए कहा कि गोरखपुर में इस तरह के आयोजन में शामिल होना उनके लिए विशेष सौभाग्य है। उन्होंने कहा कि गुरु परंपरा ने देश और सनातन धर्म के लिए अपना जीवन समर्पित किया, उनकी प्रेरणा से हमें देश और धर्म के लिए पूरी ईमानदारी से कार्य करना है। इस दौरान सांसद रवि किशन शुक्ला, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, डॉ. विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ल, कालीबाड़ी के महंत रविंद्र दास, राज्य अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य परविंदर सिंह, पंजाबी अकादमी के सदस्य जगनैन सिंह नीटू, सरदार कुलदीप सिंह, जसपाल सिंह, परमजीत कौर राणा, हरप्रीत सिंह, समेत गुरु द्वारा कमेटी के वरिष्ठ सदस्य व सिख समुदाय के कई गणमान्य मौजूद रहे।

झाड़फूंक के नाम पर ढोंगी ने महिला से किया दुष्कर्म

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। बस्खारी क्षेत्र के कोतुपुर गांव में 55 वर्षीय बीमार महिला से झाड़ फूंक के नाम पर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पूरे मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि भारतीय बस्ती इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। इसकी जानकारी लगते ही पुलिस ने पीड़ित महिला की शिकायत पर आरोपी बाबा के खिलाफ दुष्कर्म के आरोप में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है।

बस्खारी क्षेत्र के कोतुपुर गांव का रामदयाल निषाद पुत्र बुद्धई झाड़ फूंक के नाम पर लोगों को बरगलाता है। बताया जाता है कि सम्मनपुर थाना क्षेत्र की 55 वर्षीय महिला बीमार होने के चलते ढोंगी बाबा के पास पहुंची थी। ढोंगी ने महिला को ठीक करने का भरोसा दिया तथा झाड़ फूंक के लिए महिला को अपने घर रात में बुलाया। झाड़ फूंक के नाम पर ढोंगी ने महिला के साथ अश्लील हरकतें व दुष्कर्म किया।

इस बीच किसी ने घटना का पूरा वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही पूरे क्षेत्र में ढोंगी के खिलाफ आक्रोश पनपने लगा। पुलिस ने वीडियो का संज्ञान लेकर पीड़ित महिला की तलाश की और आरोपी रामदयाल निषाद के खिलाफ प्रार्थना पत्र लिया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार पांडेय ने बताया कि आरोपी बाबा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया गया है। जल्द ही ढोंगी बाबा को गिरफ्तार कर लिया गया है, जल्द जेल भेजा जाएगा।

एकतरफा मोहब्बत में बना हैवानः सनकी युवक ने किया हमला, पिता की मौत, मां–बेटी घायल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। प्रेमिका के पिता की हत्या और चाकू गोदकर मां की अंतड़ियां बाहर निकालने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। दोनों एक साल तक दिल्ली में लिव–इन रिलेशनशिप में रहे। पिता वहां से बेटी को गांव ले आया। गांव में पंचायत बैठी और दोनों को अलग कर दिया गया, क्योंकि रिश्ते में दोनों भाई–बहन लगते थे। पंचायत में ही प्रेमी मुकेश ने धमकी दी थी– मेरी नहीं तो किसी की नहीं होगी किरण। मिश्रौलिया थाना के नागचोरी टोला केवटहियाडीह गांव में शनिवार रात वारदात के बाद तनाव है। मौके पर फोर्स तैनात है। आरोपी मुकेश निषाद फरार है, जबकि प्रेमिका और उसकी मां गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती हैं। दोनों की हालत गंभीर है। ग्राम नागचोरी के केवटहियाडीह टोला के रहने वाले रामकला निषाद और युवक मुकेश निषाद रिश्ते में चाचा–भतीजा हैं। गांव वाले बताते हैं– मुकेश ने रिश्तों की परवाह किए बगैर अपनी चचेरी बहन यानी रामकला की बेटी से प्रेम करना शुरू कर दिया। करीब एक साल पहले रामकला की बेटी किरण को लेकर मुकेश दिल्ली चला गया। दोनों करीब एक साल तक लिव–इन रिलेशनशिप में रहे, लेकिन समाज और परिवार को यह रिश्ता मंजूर नहीं था। दोनों की जिद के आगे कोई कुछ नहीं कर सका।

एक साल बाद किरण ने घर पर फोन किया। कहा कि मुकेश मेरे साथ मारपीट करता है। वह बात–बात पर झगड़ता है। इसके बाद किरण घरवालों का दिल पसीज गया। उसके पिता और भाई दिल्ली पहुंचे। वहां से किरण को वापस घर लेकर आए। कुछ दिनों बाद मुकेश भी वापस आ गया। उसने पहले सबकुछ सामान्य करने की कोशिश की, लेकिन परिवार के लोग नहीं माने। मामला पटघटौदारी और गांव का था, इसलिए पंचायत बुलाई गई। दोनों परिवार के लोग भी शामिल हुए। जुलाई महीने में बैठी पंचायत ने मुकेश और किरण को अलग रहने और रिश्ता खत्म करने का फरमान सुना दिया। पंचायत ने यह भी कहा– किरण की शादी परिवार की इच्छा से कहीं दूसरी जगह कराई जाएगी। किरण से अलग रहने का फरमान सुनकर मुकेश अपना आपा खो बैठा। उसने फैसला न मानने का ऐलान करते हुए सबको धमकाया– किरण अगर मेरी नहीं होगी तो किसी की भी नहीं होगी। ग्रामीणों के अनुसार, किरण को पाने का जुनून मुकेश पर सवार हो गया। जब उसे लगा कि किरण के परिवार वाले नहीं मानेंगे तो उसने धमकाना शुरू कर दिया। धारदार हथियार लेकर चलने लगा। 10 अगस्त को उसने किरण के भाई को धमकाते हुए कहा था– अगर बहन की शादी कहीं और हुई तो मैं पूरे परिवार को खत्म कर दूंगा।

शनिवार शाम साढ़े सात बजे किरण और उसकी मां प्रभावती खेत की फसल देखने गई थीं। तभी वहां मुकेश पहुंचा। जब किरण और उसकी मां ने उसकी बातों पर ध्यान नहीं दिया तो मुकेश ने उनको धमकाया। अपने पास रखे चाकू को लहराते हुए जान से मारने की धमकी दी। किरण और उसकी मां घर पहुंचे तो रामकला भी बाजार से घर लौट आए थे। पूरी बात जानने के बाद उन्होंने मुकेश को बुलाया और समझाने की कोशिश की लेकिन वह नहीं माना। मुकेश को समझाने की रामकला की कोशिशें नाकाम हुईं। उल्टे उसका गुस्सा और चढ़ गया। उसने रामकला पर चाकू से वार कर दिया। मुकेश तब तक चाकू मारता रहा जब तक मौत न हो गई। इसके बाद प्रभावती को चाकू मारे। इतने वार किए कि उसकी अंतड़ियां बाहर निकल आईं। इसके बाद मुकेश चाकू दिखाकर जबरन किरण को बाइक पर बैठाया और ले जाने लगा। रास्ते में किरण ने विरोध किया तो आरोपी ने उसे भी नहीं छोड़ा। किरण पर चाकू से कई वार किए। फिर खून से लथपथ किरण को छोड़कर भाग गया।

वारदात की खबर मिलते ही मिश्रौलिया थाना पुलिस समेत आसपास के थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। मां–बेटी मेडिकल कॉलेज में जीवन के लिए लड़ रही हैं। एडिशनल एसपी प्रशांत कुमार प्रसाद ने बताया कि आरोपी मुकेश की तलाश के लिए पुलिस की कई टीमें गठित की गई हैं। स्पेशल टीम लगातार दबिश दे रही है। पुलिस का दावा है कि आरोपी जल्द ही गिरफ्त में होगा।

तत्परता और संवेदनशीलता से करें जन समस्याओं का निस्तारण –योगी

संवाददाता–गोरखपुर। शनिवार दोपहर बाद गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद रविवार सुबह जनता दर्शन में आए लोगों से मुलाकात की। ध्यान से उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का निस्तारण तत्परता और संवेदनशीलता से किया जाए। इसमें कोई हीलाहवाली नहीं होनी चाहिए। हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतुष्टिपरक होना चाहिए। सीएम ने कहा कि ने जनता की हर समस्या के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं।

उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि हर व्यक्ति की समस्या का समाधान सुनिश्चित किए जाएगा। सबकी बात सुनने के बाद प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि किसी भी व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अफसरों से कहा कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे।

सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण कर कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। जनता दर्शन में कई जिलों के लोग मुख्यमंत्री से मिलकर अपनी समस्या बताने पहुंचे थे। आगरा से आई एक महिला ने आवास की समस्या बताई। सीएम योगी ने उसे भरोसा दिलाया कि शासन की योजना के तहत आवास की व्यवस्था की जाएगी। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों के साथ पहुंची थीं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन बच्चों को प्यार–दुलार करते हुए चॉकलेट और उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

इटवा में 101 फीट ऊंचे तिरंगे वाला पार्क बना, श्रम मंत्री ने किया लोकार्पण

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने रविवार को सिद्धार्थनगर के इटवा में एक नए पार्क का उद्घाटन किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास स्थित इस पंडित दीनदयाल पार्क में 101 फीट ऊंचा तिरंगा, सेल्फी सेंटर और फव्वारा बनाया गया है।

कार्यक्रम में मंत्री राजभर का स्वागत चेयरमैन विकास जायसवाल और अन्य कार्यकर्ताओं ने किया। पूर्व मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। मंत्री राजभर ने कहा कि डबल इंजन की सरकार विकास का नया कीर्तिमान बना रही है।उन्होंने डॉ. द्विवेदी के क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों की सराहना की। राजभर ने बताया कि वे बनारस से आते हैं, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रतिनिधित्व है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आशीर्वाद से क्षेत्र में विकास कार्य कराए जाएंगे। डॉ. सतीश द्विवेदी ने कहा कि मोदी सरकार के आने के बाद तिरंगे से जनता जुड़ी है। यह पार्क नगर की सुंदरता में मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम में विकास जायसवाल, हरिशंकर सिंह, कृष्णा मिश्रा समेत बलराम मिश्रा, प्रदीप कसौधन, गौरव मिश्रा, आशीष त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और नगर वासी उपस्थित रहे।

सर्पदंश से युवक की मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। इटवा ब्लॉक के खुखुडी गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई। बलुआ में किराए के मकान में रहने वाले 22 वर्षीय गुल्ले उर्फ संदीप की सांप काटने से मौत हो गई। फागू के पुत्र संदीप रात करीब 3 बजे चारपाई पर सो रहे थे। ठंड लगने पर उन्होंने चादर ओढ़ी, जिसमें गंडईच सांप छिपा हुआ था।

सांप ने संदीप के हाथ में काट लिया। संदीप ने दूसरे हाथ से सांप को पकड़कर मार दिया और परिवार को सूचित किया। परिजन उन्हें तुरंत इटवा सरकारी अस्पताल ले गए। वहां एक इंजेक्शन लगाने के बाद डॉक्टरों ने उन्हें सिद्धार्थनगर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल से उन्हें गोरखपुर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई।

पिछले साल ही संदीप की शादी हुई थी। वह अपने माता–पिता की तीन संतानों में दूसरे नंबर के पुत्र थे। उनकी मृत्यु से परिवार में कोहराम मच गया है। पत्नी, माता–पिता और भाई–बहन का रो–रोकर बुरा हाल है।

यूरिया खाद नहीं मिलने से किसानों का विरोध, राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगाया जाम

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जिले में यूरिया खाद की किल्लत को लेकर किसानों का आक्रोश लगातार बढ़ रहा है। रविवार को खाद न मिलने से नाराज किसानों ने अकबरपुरदृसुल्तानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग को महरुआ चौराहे के पास जाम कर दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने किसानों को समझा–बुझाकर जाम खुलवाया और सहकारी समिति को तत्काल खुलवाया। सूत्रों के अनुसार, महरुआ थाना क्षेत्र के महरुआ कस्बे स्थित सहकारी समिति पर सुबह से ही किसान यूरिया खाद लेने के लिए लाइन में खड़े थे। किसान सुबह छह बजे से ही समिति के गेट पर पहुंच गए थे, लेकिन सुबह दस बजे तक भी समिति का ताला नहीं खुला। सचिव और संबंधित कर्मचारी समय पर न आने से किसानों का धैर्य टूट गया और उन्होंने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। किसानों के अचानक सड़क पर आने से अकबरपुरदृसुल्तानपुर मार्ग पर लंबा जाम लग गया। राहगीरों और वाहन चालकों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थिति बिगड़ती देख महरुआ थानाध्यक्ष यादवेंद्र सोनकर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और किसानों से बातचीत की। पुलिस ने किसानों को शांत कराया और सहकारी समिति खुलवाकर तत्काल खाद वितरण की व्यवस्था कराई। थानाध्यक्ष यादवेंद्र सोनकर ने बताया कि किसानों की नाराजगी को देखते हुए समिति को तुरंत खुलवा दिया गया है और अब स्थिति सामान्य है। उन्होंने कहा कि किसानों की जरूरतों को देखते हुए खाद वितरण में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और इसकी सूचना उच्च अधिकारियों को भेजी गई है।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा (आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 महोदय
बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–282/2010
इन्द्रावती
बनाम
हरीराम आदि
1/1 सुबास उम्र करीब 40 साल पुत्र हरीराम 1/2 किसमत्ता उम्र करीब 35 साल पुत्री हरीराम निवासी मौजा शिवपुर तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती
तारीख पेशी 04–09–2025
हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।
लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 04 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।
बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

झोपड़ी पर पलटा गिट्टी लदा ट्रक, महिला की मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। खलीलाबाद–बखिरा मुख्य सड़क पर हरदी गांव में रविवार सुबह साढ़े चार बजे एक दुर्घटना हुई। गिट्टी से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी मोहम्मद अशरफ की झोपड़ी पर पलट गया।

झोपड़ी में सो रही अशरफ की पत्नी सबरीन (25) गिट्टी में दब गई। इस हादसे में उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना बखिरा के प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह और पुलिस चौकी प्रभारी सुरेन्द्र कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

हादसे के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। कुछ समय के लिए सड़क पर यातायात बाधित रहा। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और यातायात बहाल कराया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के पति ने बताया कि उनकी शादी को तीन साल हुए थे। उनका कोई बच्चा नहीं था। परिवार इस दुर्घटना से शोक में है। घटना के समय ट्रक खलीलाबाद से बखिरा की ओर जा रहा था।

एसपी ने 17 निरीक्षक और उप निरीक्षकों का किया ट्रांसफर

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने बड़े स्तर पर फेरबदल किया है। उन्होंने 17 निरीक्षक और उप निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किए हैं। इस फेरबदल में राकेश कुमार को आलापुर से कटका का थानाध्यक्ष बनाया गया है। अतुल कुमार श्रीवास्तव को भीटी से आलापुर का प्रभारी निरीक्षक नियुक्त किया गया है। संजय पांडे को बस्खारी से सर्विलेंसध्यवार का प्रभारी बनाया गया है। सुनील पांडे को अहिरौली से बस्खारी का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। संत कुमार सिंह को बस्खारी से गैर जनपद स्थानांतरित किया गया है। अभिषेक त्रिपाठी को स्काट सर्विलांस से अहिरौली का थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। प्रफुल्ल कुमार यादव को जलालपुर से जैतपुर, सुरेंद्र बहादुर सिंह को पुलिस लाइन से रफीगंज का चौकी प्रभारी बनाया गया है।

तामेश्वरनाथ धाम को मिलेगी नई पहचान, सीएम योगी ने कॉरिडोर को दी थी मंजूरी

संवाददाता–संतकबीरनगर। बाबा तामेश्वर नाथ धाम के विकास का मार्ग प्रशस्त हो गया है। धनघटा मार्ग पर स्थित यह धाम जिला मुख्यालय से 8 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने मई माह में जनपद के दौरे के दौरान कॉरिडोर बनाने की घोषणा की थी। इस परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। सदर विधायक अंकुर राज तिवारी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में जिलाधिकारी आलोक कुमार, एडीएम जय प्रकाश और सीडीओ जयकेश त्रिपाठी मौजूद रहे। बैठक में तामा गांव के गोस्वामी और स्थानीय निवासियों से सुझाव लिए गए। विधायक तिवारी ने आश्वासन दिया कि इस विकास योजना में किसी गोस्वामी का नुकसान नहीं होगा। कॉरिडोर में गौशाला का निर्माण भी प्रस्तावित है। बैठक में आर्किटेक्ट द्वारा प्रोजेक्टर पर परियोजना का मॉडल प्रस्तुत किया गया। यह प्रोजेक्ट विधायक अंकुर राज तिवारी के प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने विधायक बनने से पहले ही समय माता मंदिर के जीर्णोद्धार और तामेश्वरनाथ धाम को कॉरिडोर बनाने का वादा किया था। विधायक बनने के बाद वह लगातार इस प्रोजेक्ट के लिए मुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री से मिलते रहे। कॉरिडोर बनने से क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इससे सड़कें चौड़ी होंगी और पर्यटन सुविधाओं में वृद्धि होगी। यह परियोजना जिले को एक नई पहचान देगी।

विधायक अंकुर राज तिवारी ने इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कार्यक्रम लिया। और 26 मई को सूबे की मुखिया बाबा तामेश्वर नाथ की मंदिर पर आए। उन्होंने कहा मैं बहुत दिन से यहां आना चाहता था। भोले बाबा ने बुलाया तो आ गया उसके बाद मंच से तामेश्वर नाथ को कॉरिडोर बनाने की घोषणा कर दी। देवाधिदेव महादेव बाबा तामेश्वरनाथ धाम को इतिहास सदियों पुराना है। द्वापर युग में पांडवों के अज्ञातवास के दौरान माता कुंती ने यहां शिव की आराधना कर राजपाट के लिए आशीर्वाद मांगा था। राजकुमार सिद्धार्थ यहां वल्कल वस्त्र त्याग कर मुंडन करने के पश्चात तथागत बने। धाम का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है। यहां स्वतः शिवलिंग प्रकट होने का प्रमाण मिलता है। इस स्थान को पूर्व में ताम्रगढ़ के नाम से जाना जाता था। यहां स्थापित शिवलिंग को खलीलाबाद नगर को बसाने वाले खलीलुर्रहमान ने दूसरे स्थान पर ले जाने का प्रयास किया था। लेकिन संभव नहीं हो सका। स्थली व शिवलिंग की महत्ता को देखते हुए डेढ़ सौ वर्ष पूर्व तत्कालीन बांसी नरेश राजा रतनसेन सिंह ने यहां मंदिर का स्वरूप दिया। बाद में सेठ रामनिवास रुंगटा ने संतान की मुराद मांगी। संतान प्राप्ति के बाद मंदिर को विस्तार दिया।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com dainikbhartiyabasti@gmail.com